RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः62 , बुधवार, 15 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला शांति समिति की बैठक में सामाजिक एकता पर दी गई जोर 03

अरेराज पहुँची हरिहरनाथ-मुक्तिनाथ यात्रा, संतों और श्रद्धालुओं ने किया पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत 04

कार्तिक आर्यन की नई हीरोइन प्रीति मुकुंदन कौन हैं? नागजिला से कर... 07

महंगाई के लिए रहिए तैयार, चुनाव बाद पड़ेगी भारी मार

● पेट्रोल 18 और डीजल 35 रुपए तक हो सकता है महंगा ● बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल 18 और डीजल 35 प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं।

हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान झेल रहीं कंपनियां- कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है।

● **अमेरिका सहित कई देशों ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम-** अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमतें अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई पड़ोसी देशों ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है।

भारत 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45 फीसदी मिडिल ईस्ट और 35 फीसदी रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22 था, जो अब घटकर सिर्फ 8 फीसदी रह गया है। अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तो भी मौजूदा कीमतों पर घाटा खत्म नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

आज जारी होगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

● टॉपर्स को कैश प्राइज और लैपटॉप देगी एमपी की सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल 2026, बुधवार को सुबह 11 बजे घोषित किया जाएगा। रिजल्ट की घोषणा मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से भोपाल स्थित बोर्ड मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की जाएगी। रिजल्ट की ऑफिशियल डेट बोर्ड ने सोमवार को ही जारी कर दी थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी रिजल्ट की तारीख की पुष्टि कर दी थी। इस साल एमपी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट रिजल्ट जारी होने के बाद ऑफिशियल

वेबसाइट पर अपना परिणाम चेक कर पाएंगे। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के टॉपर्स का नाम भी जारी किया जाएगा और फिर उसके बाद जो टॉपर्स होंगे उन्हें राज्य सरकार की ओर से कैश प्राइज और अन्य ईनाम के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। राज्य में टॉप पोजिशन हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही प्राइज मनी और ईनाम भी दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले छात्रों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की कैश राशि और लैपटॉप दिया जाएगा। मुख्य पुरस्कारों में मेधावी छात्राओं को स्कूटी और ग्रामीण क्षेत्रों के टॉपर्स को साइकिल दी जा सकती है। 12वीं के जिन स्टूडेंट्स ने 75 परसेंट या उससे ज्यादा नंबर मिलेंगे उन्हें कैश प्राइज मिलेगा। पिछले साल टॉपर्स को यही सब दिया गया था। 2025 में एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं में प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया था। नरसिंहपुर की रहने वाली प्रज्ञा जायसवाल को 500 में से 500 नंबर मिले थे। 10वीं क्लास में रीवा के आयुष द्विवेदी को 499 मार्क्स के साथ दूसरा स्थान मिला था। जबलपुर की फातिमा को 500 में से 498 नंबर मिले थे। वहीं सतना जिले की प्रियल द्विवेदी ने 12वीं में टॉप किया था। उन्हें 500 में से 492 नंबर मिले थे।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

● पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की कोशिश कर रहे हैं

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता के नाम पर होगा।

2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

● पीएम मोदी बोले-4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है ● दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में, पीएम ने किया एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

देहरादून (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।' पीएम ने कहा, कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया।

महिला आरक्षण पर मांगा सभी दलों से समर्थन

4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33 फीसदी आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है। मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है।

पीएम बोले- देश की ताकत बन रही हैं बेटियां

पीएम ने कहा कि देश की बेटियां भारत निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सरकार उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल समय में महिलाओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए प्रयास जारी हैं। पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

नए कॉरिडोर खोलेंगे तरक्की के रास्ते- पीएम ने कहा कि एक्सप्रेसवे और इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास के गेटवे हैं। इससे समय और खर्च दोनों कम होंगे। रोजगार बढ़ेगा, किसानों की उपज जल्दी बाजार पहुंचेगी।

बिहार को मिल गया नया 'सम्राट', ताजपोशी आज

● भाजपा के पहले मुख्यमंत्री का ऐलान, नीतिश की जगह लेंगे

विधायक दल की बैठक में बने नेता, नीतिश ने दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। पटना में मंगलवार को हुई भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक में यह ऐलान किया गया। लगभग दो दशक तक बिहार के सीएम रहे नीतिश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सम्राट उनकी जगह लेंगे। बिहार में पहली बार भाजपा का सीएम बनेगा। नीतिश के डिप्टी रहे सम्राट चौधरी अब बिहार में एनडीए सरकार की कमान संभालेंगे। उनके नाम की अटकलें कई दिनों से लगाई जा रही थी। नई सरकार का शपथ ग्रहण बुधवार को होगा। लोकभवन में सम्राट चौधरी को राज्यपाल सैयद अता हसनैन मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। उनके साथ कुछ और नेता भी शपथ ले सकते हैं। हालांकि, शपथ ग्रहण छोटा ही होगा। जनता दल यूनाइटेड से एक या दो डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है।

विजय सिन्हा ने रखा सम्राट के नाम का प्रस्ताव

बिहार में नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था। बताया जा रहा है कि दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगा दी गई। इसके बाद शिवराज नए सीएम का नाम लेकर पटना पहुंचे। पटना में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी विधायकों ने सहमति दे दी। इसके बाद शिवराज ने ऐलान कर दिया।

'सबका किनारा', होर्मुज स्ट्रेट में अकेला पड़ गया अमेरिका

तेल का दाम बढ़ाकर सहयोगियों को सजा देना चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम का मकसद ईरानी जहाजों की आवाजाही रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि वो जहाज जो ईरान को टोल चुका रहे हैं उन्हें पकड़ा जाए चाहे वो किसी भी देश के हैं। ट्रंप चाहते हैं कि होर्मुज खुलवाने के लिए दुनिया के देश आएं और ईरान से झगड़ा करें। हालांकि दुनिया के

ज्यादातर देशों ने ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से साफ इनकार कर दिया है। इसके बजाय अपने ऊर्जा कार्गो को सुरक्षित करने के लिए कई देश स्वतंत्र रूप से कदम उठा रहे हैं। जैसे भारत और चीन जैसे देश सीधे ईरानी लीडरशिप से बात कर रहे हैं। लेकिन इस नाकाबंदी के जरिए ट्रंप शायद कई अन्य देशों को भी मध्य-पूर्व संकट में घसीटने की कोशिश कर रहे हैं।

मोदी देशभक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं

● बंगाल में बोले राहुल गांधी, अमेरिका से ट्रेड डील को बताया धोखा

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगाल विधानसभा चुनाव को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला और उन्हें 'देशद्रोही' तक बता डाला। राहुल गांधी ने कहा कि मालदा की रैली में कहा कि पीएम मोदी देश भक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई

ट्रेड डील देश में छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। इसके चलते देश में बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा होगा। उन्होंने इस दौरान एसआईआर की भी बात की। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर में बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और ऐसा करना असंवैधानिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस उनके साथ है।

ट्रंप से यस सर-यस सर करते हैं पीएम मोदी

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी का पूरा कंट्रोल तो ट्रंप के पास है। ट्रंप यदि कहे कि आप जंप करिए तो कूदेंगे। वह कहे कि मेरे आगे झुक जाओ तो ये झुक जाएं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कृषि सेक्टर अमेरिका के लिए खोल दिया है। इन लोगों ने अमेरिका के साथ ही तेल खरीदने का करार कर लिया है। उनसे कह दिया है कि यदि हम किसी और देश से तेल खरीदेंगे तो आपसे पहले पूछ लेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप से तो नरेंद्र मोदी बस 'यस सर, यस सर' करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का पूरा डेटा ही नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को दे दिया है। इन्होंने ट्रंप से दावा किया है कि हर साल 9 लाख करोड़ का माल भारत अमेरिका से खरीदेगा। राहुल गांधी ने कहा कि जिस तरह की ट्रेड डील हुई है, उससे साफ है कि पीएम मोदी देशद्रोही हैं।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले मैं कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4 हजार किलोमीटर चला। मेरा इरादा यही था कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। नफरत से देश कमजोर होता है, जैसे परिवार में यह फैल जाती है तो फैमिली खत्म हो जाती है। ऐसी स्थिति देश की होती है। यदि आपने नरेंद्र मोदी का चेहरा देखेंगे तो वह आंख में आंख में नहीं मिला पाते। मैं उनकी आंख में देखता हूं, लेकिन वह नीचे देखते हैं। वह कहते हैं कि हमारी 56 इंच की छाती है, लेकिन यह मजाक है। नरेंद्र मोदी ने तो देश को ही बेच दिया।

भारत में बढ़ सकते हैं 25 लाख गरीब, मुश्किल होगा इलाज

ईरान युद्ध के बीच यूएन की डराने वाली रिपोर्ट से बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर पूरी दुनिया की ही अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धि-एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास के दबाव को बढ़ा रहा है।

इसमें कहा गया कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से घरेलू क्रय शक्ति घट रही है, खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, सरकारी बजट पर दबाव पड़ रहा है और आजीविका कमजोर हो रही है। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 88 लाख लोग गरीबी के जोखिम में आ सकते हैं और इस सैन्य तनाव से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। भारत में गरीबी से प्रभावित लोगों की संख्या 25 लाख तक होगी।

गरीबी दर में भी हो सकती है बढ़ोतरी

इसमें कहा गया कि सबसे गंभीर परिदृश्य में भारत की गरीबी दर 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो सकती है जिससे अतिरिक्त 24,64,698 लोग गरीबी में चले जाएंगे। संकट के बाद देश में गरीबी में रहने वालों की संख्या 35.40 करोड़ तक पहुंच सकती है जो पहले 35.15 करोड़ थी। रिपोर्ट में मानव विकास सूचकांक पर प्रभाव का भी आंकलन किया गया है। इसमें कहा गया कि भारत में एचडीआई प्रगति में लगभग 0.03 से 0.12 वर्ष तक की गिरावट हो सकती है। इसके बाद नेपाल (0.02-0.09 वर्ष) और वियतनाम (0.02-0.07 वर्ष) का स्थान है जबकि चीन पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम (0.01-0.05 वर्ष) रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपनी 90 प्रतिशत से अधिक तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और कच्चे तेल का 40 प्रतिशत से अधिक तथा एलपीजी का 90 प्रतिशत आयात पश्चिम एशिया से करता है। इसके अलावा, उर्वरक आयात का 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। संघर्ष के कारण ऊर्जा विकल्पों पर भी असर पड़ा है। एलएनजी कीमतें बढ़ने से भारत समेत कई देशों ने कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता बढ़ाई है। व्यापार एवं आपूर्ति श्रृंखला पर असर को लेकर रिपोर्ट में कहा गया है कि 36 में से 25 देशों में मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी जैसी समस्याएं देखी गई हैं।

इलाज करवाना भी होगा मुश्किल

आतिथ्य, खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण सामग्री, इस्पात आधारित उद्योग और रत्न-हीरा क्षेत्र की छोटी कंपनियों को उच्च लागत, आपूर्ति की कमी और ऑर्डर में देरी या रद्द होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इन परिस्थितियों का असर रोजगार, काम के घंटे और व्यवसाय की निरंतरता पर पड़ सकता है विशेषकर असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों पर। भारत में चिकित्सकीय उपकरणों से जुड़े माल की लागत भी होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है, जबकि दवाओं के थोक दाम पहले ही 10-15 प्रतिशत बढ़ चुके हैं।

नोएडा में थमा नहीं टकराव दूसरे दिन भी भारी बवाल

15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से

खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और रैफ की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं। डीजीपी राजीव कृष्ण लखनऊ के कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग कर रहे। कहा- क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा- अब तक 300 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद पर मारपीट, 11 लोग घायल

हाजीपुर। वैशाली जिले के कटहरा थाना क्षेत्र स्थित बखरीदोआ गांव में मंगलवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और आगजनी हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 11 लोग घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने से एक झोपड़ीनुमा घर और उसमें बंधी एक गाय जलकर मर गई। सूचना मिलते ही महुआ अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। महुआ अनुमंडल अग्निशामक पदाधिकारी सत्य राज ने बताया कि आग बुझा दी गई है। घटना के दौरान कटहरा पुलिस की डायल 112 टीम भी मौके पर मौजूद थी। जानकारी के अनुसार, बखरीदोआ गांव निवासी दिलीप पासवान और अर्जुन पासवान के बीच लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस विवादित जमीन की सरकारी अमीन द्वारा चार से पांच बार मापी की जा चुकी है। सोमवार को भी अमीन मापी के लिए आया था, लेकिन एक पक्ष ने उसे मापी करने से रोक दिया था। मंगलवार को यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट और आगजनी की घटना हो गई। प्रथम पक्ष से स्वर्गीय देवेंद्र पासवान के पुत्र दिलीप पासवान, भिखारी पासवान, नीतू देवी और किरण देवी (जो अपने मायके बखरीदोआ आई थीं) घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से मक्खन पासवान के पुत्र अर्जुन पासवान, सविता कुमारी, हरेंद्र पासवान, राजीव कुमार, रवि किशन, अंधीर कुमार और सोनाली कुमारी घायल हुए हैं। आसपास के लोगों के मुताबिक, सभी घायलों को उनकी सुविधा के अनुसार अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आगजनी की घटना में झोपड़ीनुमा घर पूरी तरह जल गया। इसमें बंधी एक गाय की मौत हो गई। इसके अलावा, तीन साइकिल, एक स्कूटर, दो चारा काटने की मशीन और झोपड़ी में रखा अनाज भी जलकर राख हो गया। इस दौरान कटहरा थानाध्यक्ष संजीव कुमार दुबे ने बताया कि इस घटना के सम्बन्ध में दोनों पक्षों में से किसी के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं है। आवेदन मिलने पर जांच कर होगी कार्रवाई।

वैशाली में गंगा स्नान के दौरान भाई-बहन लापता

हाजीपुर। वैशाली जिले के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र में गंगा नदी में स्नान के दौरान डूबे ममेरे-फुफेरे भाई-बहन निशांत कुमार और मानती कुमारी 36 घंटे बाद भी लापता हैं। उनकी तलाश में एसडीआरएफ (SDRF) का रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है, लेकिन दूसरे दिन भी उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लापता निशांत कुमार पटना जिले के धनरूआ थाना अंतर्गत पवेरा निवासी अरविंद शर्मा के पुत्र हैं, जबकि मानती कुमारी दीदारगंज थाना अंतर्गत फतेहपुर निवासी सुधीर शर्मा की पुत्री हैं। दोनों आपस में ममेरे-फुफेरे भाई-बहन थे। जानकारी के अनुसार, निशांत कुमार आलमपुर कच्ची दरगाह स्थित अपनी मौसी के घर आए हुए थे। मानती भी अपनी फुआ के घर आई हुई थी। रविवार को मौसी के घर से पांच महिलाएं और दो पुरुष रुस्तमपुर थाना के कच्ची दरगाह घाट पर स्नान करने गए थे। नदी में पानी कम होने के कारण सभी पीपा पुल के पास स्नान कर रहे थे। स्नान के दौरान मानती कुमारी अचानक डूबने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में छह अन्य लोग भी पानी में डूबने लगे। शोर सुनकर स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, निशांत और मानती तेज धारा में बह गए और लापता हो गए। निशांत के पिता बनारस में बढ़ई का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले नदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जिसने रुस्तमपुर थाना को जानकारी दी। खबर लिखे जाने तक एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी और व्यापक तलाशी अभियान चला रही थी। सूचना मिलने पर राघोपुर के सीओ राजीव रंजन चौधरी भी घटनास्थल पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को लाने के लिए अपनी गाड़ी भेजी।

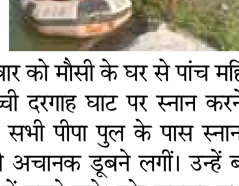

चैनपुर में भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

हाजीपुर। वैशाली के गोरौल प्रखंड स्थित चैनपुर गांव में भीषण आग लगने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बिजली पावर ग्रिड के पास झाड़ियों में लगी आग तेजी से फैल गई, जिससे करीब एक एकड़ फसल जलकर राख हो गई। चैनपुर गांव में बिजली पावर ग्रिड के समीप अचानक झाड़ियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेतों में फैल गई। इस भीषण आग में झलसी और इकरी सहित लगभग एक एकड़ में लगी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि स्थानीय लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही फसल तबाह हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गोरौल, बेलसर, भगवानपुर और महुआ अनुमंडल से अग्निशमन विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि, प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि तेज गर्मी और सूखी झाड़ियों के कारण यह आग भड़की होगी।

एईएस को लेकर अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही चमकी बुखार (AES) के मामलों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर मेडिकल से लेकर ग्रामीण स्तर तक व्यापक तैयारी पूरी कर ली गई है। श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) में अब तक कुल 17 AES के मामले सामने आए हैं, जिनमें 12 बच्चे मुजफ्फरपुर के और 5 अन्य जिलों के हैं। सभी बच्चों का इलाज कर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। फिलहाल कुछ बच्चे भर्ती हैं, लेकिन अभी तक कोई नया मामला सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग ने इस वर्ष किसी भी बच्चे की मौत न हो, इसके लिए विशेष तैयारी की है। SKMCH में 100 बेड का ICU पूरी तरह रेडी मोड में रखा गया है। इसके अलावा सदर अस्पताल में 10 बेड का आईसीयू तैयार है और जिले के सभी PHC और CHC में 2-2 आईसीयू बेड रिजर्व किए गए हैं। प्रशासन की ओर से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। लोगों को चमकी बुखार के लक्षण, बचाव और समय पर इलाज के प्रति जागरूक किया जा रहा है। SKMCH के उपाधीक्षक डॉ. गोपाल शंकर साहनी ने बताया कि अस्पताल में इलाज की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। सभी आवश्यक दवाएं और जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस वर्ष भी बेहतर परिणाम लाने का लक्ष्य है और किसी भी बच्चे की AES से मौत न हो, इसके लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। जिले के सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। PHC, CHC और सदर अस्पताल के अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी स्थिति में इलाज में लापरवाही न हो और सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें।

मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

मुजफ्फरपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती कलेक्ट्रेट परिसर में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित अंबेडकर उपवन में अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य अतिथियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र, उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, नगर आयुक्त रितुराज प्रताप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार और अनुमंडल पदाधिकारी (पश्चिमी) आकांक्षा आनंद समेत कई अधिकारी व कर्मचारी संघ के सदस्य शामिल रहे। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ की ओर से भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया, जबकि समारोह की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने की। समारोह में वक्ताओं ने बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्हें बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार, आदर्श और सिद्धांत आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह और स्कूल बैग प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्री शिवराज पटना पहुंचे

एनडीए विधायक दल की होनी है मीटिंग, नए सीएम पर लगेगी अंतिम मुहर

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में बनने जा रही नई एनडीए सरकार के गठन की रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है। आज दिनभर अहम बैठकों का दौर चलेगा, जिसमें नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगेगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पटना पहुंच चुके हैं। उनके साथ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी पटना आए हैं। दोनों एक ही गाड़ी से एयरपोर्ट से निकले। दोपहर 2 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद रहेंगे।

इसी बैठक में विधायक दल के नए नेता का चुनाव किया जाएगा, जो बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। इसके तुरंत बाद 3 बजे मुख्यमंत्री आवास पर नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। शाम 4 बजे विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में एनडीए विधायक दल की संयुक्त बैठक होगी। इस बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता को औपचारिक रूप से एनडीए का नेता चुना जाएगा। इसके बाद वही नेता सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राजभवन जाएंगे।

बीजेपी ऑफिस के बाहर सुरक्षा टाइटः बैठकों के दौर के बीच बीजेपी ऑफिस को पूरी तरह से सजाया गया है। फूलों से तोरण द्वार बनाए गए हैं। पूरे ऑफिस में बैलून लगे हैं। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। वहीं, दूसरी तरफ बैठक को लेकर बीजेपी ऑफिस के बाहर सुरक्षा व्यवस्था टाइट हो गई है। सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई है। बीजेपी ऑफिस के 100 मीटर की दूरी पर ही आम लोगों को रोक दिया गया है।

15 अप्रैल को शपथ ग्रहण की तैयारीः सूत्रों के मुताबिक नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 15 अप्रैल को है। इससे पहले आज मौजूदा कैबिनेट की अंतिम बैठक होगी, जिसके बाद नीतीश कुमार अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपेंगे और नई सरकार के गठन का रास्ता साफ करेंगे।

सम्राट चौधरी के आवास पर बैठकों का दौरः सरकार गठन को लेकर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास पर भी कल दिनभर बैठकों का सिलसिला जारी रहा। जदयू के वरिष्ठ नेता संजय झा और ललन सिंह ने उनसे करीब 40 मिनट तक मुलाकात की थी। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी पहुंचे। इन बैठकों में सरकार के गठन, मंत्रीमंडल की रूपरेखा और सहयोगी दलों की भूमिका पर चर्चा हुई। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, मंत्री जमा खान और वरिष्ठ नेता बिजेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सरकार गठन के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की थी। करीब एक घंटे चली इस बैठक में नई सरकार में जदयू की भूमिका और उपमुख्यमंत्री पद को लेकर मंथन हुआ था। बैठक के बाद मंत्री जमा खान ने संकेत दिया कि 15 अप्रैल को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा सकता है।

आर्केड बिजनेस कॉलेज में लगी आग, शॉर्ट-सर्किट से हादसा

एजेंसी, पटना

पटना के दिनकल गोलंबर के पास आर्केड बिजनेस कॉलेज में आग लग गई है। मौके पर अफरा-तफरा की स्थिति बनी है। धुआं देखकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई है। लोग अपने स्तर से आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। अगलगी की वजह शॉर्ट-सर्किट बताी जा रही है। फिलहाल मौके पर दमकल की तीन गाड़ियां पहुंच चुकी है। घटना कदमकुआं इलाके की है।

लैब में आग लगी हैः G+2 का स्ट्रक्चर है। ऊपर वाले फ्लोर में लैब है, जहां आग लगी है। लैब के अंदर रखे कंप्यूटर, टेबल-कुर्सी वगैरह सब कुछ जलकर खाक हो गया है। अग्निशमन अनुमंडल पदाधिकारी इंद्रजीत कुमार ने बताया कि 2:15 बजे के करीब आग लगने की सूचना मिली। उस वक्त हम लोग अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत मेदांता अस्पताल में मौजूद थे।जैसे सूचना मिली फॉरेन आर्केड बिजनेस कॉलेज पहुंचे।

- 25 लोगों का रेस्क्यू, दमकल की 3 से ज्यादा गाड़ियों ने बुझाई लपटें

यहां जब अग्निशमन की टीम पहुंची तो 20 से 25 की संख्या में लोग ऊपरी फ्लोर पर फंसे थे जिन लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट निकलकर सामने आई है। इससे पहले भी बिजनेस ऑर्किड कॉलेज को फायर इक्विपमेंट को लेकर नोटिस जारी किया गया था। बावजूद इसके इक्विपमेंट्स नहीं लगाए गए थे। आग बुझाने में तकरीबन आधा घंटा का वक्त लगा है। लैब के अंदर रख टेबल कुर्सी फर्नीचर,कंप्यूटर और अन्य डिजिटल इक्विपमेंट को नुकसान पहुंचा है। एक बार फिर से इन्हें नोटिस दिया जाएगा।

सीएम नीतीश ने बाबा साहेब के आदर्शों पर आधारित नीतियों के माध्यम से उनके सपनों को साकार किया

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय, पटना में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बाबा साहेब के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में सुशासन के माध्यम से बाबा साहेब की विचारधारा एवं उनके सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों पर आधारित नीतियों का निर्माण किया और उन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा। उनके नेतृत्व में बिहार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के सर्वांगीण विकास हेतु कई ठोस एवं दूरगामी कदम उठाए गए, जिनसे समाज के सबसे वंचित एवं पिछड़े वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

नीतीश कुमार द्वारा महादलित विकास मिशन की शुरुआत की गई। इसके माध्यम से शिक्षा, रोजगार, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। वर्ष 2007 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग का स्वतंत्र रूप से गठन किया गया। साथ ही, राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग की स्थापना कर इन समुदायों के उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

शैक्षणिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय तथा डॉ. अंबेडकर कल्याण छात्रावासों की स्थापना की गई। वर्तमान में राज्य में अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 66 तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग हेतु 25 आवासीय विद्यालय संचालित हैं।

डेटिंग ऐप पर प्यार, युवक से 29 लाख की ठगी

एजेंसी, पटना

पटना में एक युवक (27) से 29 लाख की ठगी हुई है। डेटिंग ऐप 'SCHMOOZE' पर पीड़ित की एक लड़की से पहचान हुई थी। पीड़ित को उस लड़की ने अपना नाम रैचल बताया था। कुछ दिनों में दोनों ने एक-दूसरे का व्हाट्सएप नंबर एक्सचेंज किया। व्हाट्सएप पर दोनों बातें करते थे। एक दूसरे की तस्वीरें और वीडियो शेयर किया करते थे। लड़की ने युवक को ठगने की प्लानिंग पहले से बना रखी थी, पर पीड़ित को नहीं पता था कि उसके साथ ऐसा हो सकता, वो तो ये सोचता रहा कि वो लड़की उससे प्यार करती है। कुछ ही दिन में शादी तक बात पहुंच गई। लड़की ने कहा कि रिश्ता आगे बढ़ाने से पहले तुम इन्वेस्टमेंट कर लो। जिसके बाद पीड़ित तैयार हो गया। बस यहीं उससे गलती हो गई। लड़के ने 6 दिसंबर 2025, 20 जनवरी 2026 और 2 मार्च 2026 को तीन बार में 29 लख रुपए इन्वेस्ट कर दिए। ये रुपए उसने अपनी बहन की शादी के लिए जमा किए थे। पीड़ित ने साइबर थाने में मामले की शिकायत की है।

रुपए डबल होने का लालच दियाः फ्रॉड लड़की ने पीड़ित को कहा था कि हम शादी करने वाले हैं। नई जिंदगी की शुरुआत करने वाले हैं। हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी रहे इसके लिए हमें कुछ सोचना होगा। लड़के ने उससे पूछा कि ऐसा करने के लिए क्या करना होगा। लड़की ने पीड़ित को Www.ebc.infx.com में इन्वेस्टमेंट प्लान के बारे में बताया। फ्रॉड लड़की ने पीड़ित से कहा था कि तुम जितने रुपए इन्वेस्ट करोगे उसका दोगुना हो जाएगा। लड़की ने युवक को इस तरह से मोटिवेट किया कि पीड़ित को प्लान अच्छा लगने लगा और वो उसकी बातों में आ गया।

- इन्वेस्टमेंट के नाम पर 3 किस्तों में ऐंठे रुपए, पीड़ित ने बहन की शादी के लिए रखे थे रुपए

इन्वेस्टमेंट के बाद लड़की ने दूरी बनानी शुरू कीः इन्वेस्टमेंट के बाद लड़की ने दूरी बनानी शुरू की। उसने बातें करनी बंद कर दी। लड़के ने उससे संपर्क करने के लिए पूरी कोशिश की। अंतिम में पीड़ित ने उस साइट के बारे में पता लगाया जहां उसने अपने रुपए लगाए थे। तब उसे अहसास हुआ कि वो ठगा गया है। जिसके बाद पीड़ित पुलिस के पास पहुंचा और पूरी कहानी बताई।

घरवालों को नहीं पता ठगी हुईः पुलिस को पीड़िता ने बताया है कि मैं प्राइवेट जॉब करता हूं। मैंने इनते सारे रुपए गंवा दिए इस बारे में मैंने अपने घरवालों को भी नहीं बताया है। मुझे अभी रुपए की बहुत जरूरत है। अगले महीने बहन की धूमधाम से शादी है। मैंने इसके लिए रुपए जमा किए थे। अब मैं अपनी बहन की शादी कैसे करूंगा। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है।

कहीं भी रुपए देने से पहले जांच-पड़ताल कर लेंः साइबर डीएसपी नीतिश चंद्र धारिया ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर इन्वेस्टमेंट के ऐड दिखाते हैं तो सबसे पहले उसका वेरिफिकेशन करें। पूरी तरह से उसके बारे में पता लगाने के बाद ही इन्वेस्टमेंट करें। रजिस्टर्ड कंपनी का अपना एक सिंगल रजिस्टर्ड अकाउंट होता है। अलग-अलग अकाउंट का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। लेकिन फ्रॉड आमतौर पर अलग-अलग अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं।

'बिहार में लोकतंत्र खोखली हो चुकी है'

एजेंसी, पटना

- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम बोले, अंबेडकर जयंती पर नीतीश को इस्तीफा नहीं देना चाहिए था

नीतीश कुमार आज मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं। इस पर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नीतीश कुमार उस दिन इस्तीफा दे रहे हैं, जिस दिन संविधान के निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती है। यह भी अपने आप में सोचने वाली बात है। आज के दिन कम से कम उन्हें इससे बचना चाहिए। बाबा साहेब ने लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने के लिए संविधान दिया था, लेकिन आज बिहार में लोकतंत्र खोखली हो चुकी है।

जिस तरह से बिहार में सरकार की तस्वीर सामने आ रही है या यूं कहे कि मंत्री परिषद और मुख्यमंत्री की तस्वीर आ रही है, वह अपने आप में संविधान के मूल्यों को खोखला करने वाली है। लोकतंत्र में चुने हुए जन प्रतिनिधि का मूल्य है। जो लोग खानदानवाद के नारे दे रहे थे आज उसी में उलझ कर रह गए हैं। आज के दिन हम लोग को एकजुट होकर संविधान की शपथ लेनी चाहिए।

सदाकत आश्रम में भीम शक्ति संवाद का आयोजनः दरअसल, आज कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में भीमराव अंबेडकर जयंती के मौके पर भी भीम शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और फिर दीप प्रज्वलन करके विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मदन मोहन झा भी मौजूद रहे। राजेश राम ने कहा कि आज पूरे विश्व में 135वीं भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई जा रही है। बाबा साहब ने जो संविधान दिया है पूरा देश उस एक सूत्र में बंधा हुआ है। आर्टिकल 12 से लेकर 35 तक हमें अभिव्यक्ति की आजादी के साथ खाने-पीने, रहन-सहन, बोलने की आजादी देता है। इसे हम एक आदर्श के रूप में नई ऊर्जा के साथ LDM के माध्यम से इस जयंती को मना रहे हैं। कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में नई लीडरशिप को मौका देना चाहती है। आज का आयोजन हमारे युवा कांग्रेसी जो की थर्ड जनरेशन के हैं, उन्होंने किया है।

राहुल गांधी चाहते हैं कि युवाओं को अवसर मिलेः बाबा साहेब ने कहा था कि अगर देश को विधिवत विकास चाहिए तो हमें आर्थिक रूप से मजबूत होना होगा। सभी को अपनी व्यवसाय करनी चाहिए। दूसरी ओर उन्होंने कहा था कि अगर देश में लोकतंत्र को मजबूत रखना है तो हर व्यक्ति को अपने आप में एक लीडर पैदा करना होगा और उसे विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा में अपनी भागीदारी दे। राहुल गांधी चाहते हैं कि युवाओं को अवसर मिले और इसी लिए बिहार कांग्रेस नई लीडरशिप बनाने में जुटी है।

दक्षिण-मध्य बिहार में 18 के बाद 40 पार जाएगा पारा

एजेंसी, पटना

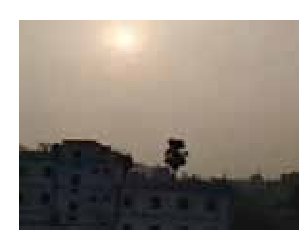

राजधानी समेत राज्यभर में मौसम बदला हुआ है। पटना मौसम केंद्र के मुताबिक 18 अप्रैल के बाद दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में पारा 4 डिग्री तक बढ़ेगा, जिससे अधिकतम तापमान 40 के पार जाने की संभावना है। गयाजी, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, नवादा, बक्सर समेत कई जिलों में हीट वेव की स्थिति बनेगी। अगले 7 दिनों तक अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना नहीं है। अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में एक-दो जगह हल्की बारिश संभव है।

क्यों बढ़ रही गर्मीः पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण ट्रफ लाइनें राज्य से गुजर रहीं। पश्चिमी विक्षोभ कमजोर, इसलिए ठंडा असर नहीं मिल रहा। ऊपर के स्तर पर तेज जेट स्ट्रीम हवाएं, लेकिन सतह पर गर्मी हावी। इन सभी कारणों से नमी घटी और तापमान बढ़ा।

नमी कम होने की वजह से मौसम शुष्कः उत्तर-पूर्व बिहार के ऊपर कई ट्रफ लाइन बनी हैं। इससे नमी कम हो रही है और मौसम शुष्क बना हुआ है। तेज धूप और गर्म हवाएं तापमान को लगातार बढ़ा रही हैं। कई जगहों पर हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी तक पहुंच रही है। इससे अब दिन में बाहर निकलना मुश्किल होने लगा है। शरीर में पानी की कमी और थकान बढ़ रही है।

इंस्पेक्टर पर 50 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना में खेमनी चक मोड पर एक इंस्पेक्टर और कोयला कारोबारी के बीच गाली-गलौज और हंगामा हुआ। इस दौरान लोगों की भीड़ भी जुटी रही। दरअसल, कोतवाली इलाके के मौर्या लोक के पास कोयला कारोबारी किसी काम के से पहुंचे थे। उन्होंने अपनी गाड़ी पास में ही खड़ी की थी। काम पूरा होने के बाद कारोबारी गाड़ी में आकर बैठे तब तक साइबर थाने में पदस्थापित एक इंस्पेक्टर वर्दी में आए और उसे पकड़ लिया। कोयला कारोबारी के दोस्त का आरोप है कि पकड़ने के बाद उन्होंने कारोबारी के मोबाइल फोन ले लिए। गाड़ी की चाबी निकाल ली। इसके बाद केस में फंसाने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की डिमांड करने लगे।

दो घंटे तक शहर में घुमायाः दोस्त ने बताया, तकरीबन एक से दो घंटे तक उसी गाड़ी से शहर में घुमाया। इसी बीच कारोबारी ने अपने पार्टनर को फोन कर के रुपये लाने के लिए कहा। पार्टनर ने इंस्पेक्टर से बात की और डिमांड के रुपए देने को लेकर राम कृष्ण नगर इलाके के खेमनी चक में बुलाया। कारोबारी के पार्टनर ने इंस्पेक्टर से शर्त रखी कि वर्दी में नहीं आएंगे। रुपए लेने सादे लिबास में आएंगे।

नीतीश कुमार का दो दशक का कार्यकाल 'स्वर्णिम युग' समावेशी विकास और सुशासन की नई पहचानः जदयू

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के पिछले दो दशकों के कार्यकाल को आधुनिक बिहार के इतिहास में 'स्वर्णिम युग' के रूप में याद किया जाएगा। वर्ष 2005 में सत्ता संभालने के बाद उन्होंने एक ऐसे बिहार की नींव रखी, जो समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। यह बातें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और परिमल कुमार ने मंगलवार को मीडिया में जारी बयान में कहीं। प्रवक्ताओं ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने बदहाल कानून-व्यवस्था के दौर को पीछे छोड़ते हुए सुशासन के माध्यम से भयमुक्त वातावरण स्थापित किया और विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाया। उन्होंने समाज के उन वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जो लंबे समय से उपेक्षित रहे थे।

महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी बिहार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को आरक्षण देने और पुलिस बल में उनकी बड़े पैमाने पर बहाली के फैसले ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

वर्ष 2013 में पुलिस बल में 35 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के बाद आज बिहार में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या देश में सबसे अधिक बताई जा रही है। इसके साथ ही 'जीविका' योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है। इस पहल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है और बड़ी संख्या में महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपना भविष्य संवार रही हैं।

प्रवक्ताओं ने आगे कहा कि पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई गईं, जिससे उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बल मिला। मुख्यमंत्री के 'न्याय के साथ विकास' के संकल्प का ही परिणाम है कि आज राज्य के दूरदराज गांवों तक बिजली और आधारभूत संरचनाएं पहुंच चुकी हैं। सड़कों और पुलों के निर्माण से राज्य की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ है और बिहार आज आधारभूत ढांचे के मामले में देश के अग्रणी राज्यों को चुनौती दे रहा है। प्रवक्ताओं ने कहा कि यह 20 से अधिक वर्षों की निरंतर मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है कि आज बिहार एक प्रगतिशील और सशक्त राज्य के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

संक्षिप्त समाचार

केसरिया रेलवे स्टेशन के पास हाइटेंशन पोल पर चढ़ा युवक, पुलिस ने सुरक्षित उतारा

बीएनएम @ केसरिया। रेलवे स्टेशन के समीप मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक अचानक हाइटेंशन विद्युत पोल पर चढ़ गया। घटना को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए इलाके में हड़कंप की स्थिति बन गई। युवक की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पकड़ी दीक्षित निवासी रवि कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक किसी निजी कारण से मानसिक तनाव में था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। काफी देर तक समझाने-बुझाने और सावधानीपूर्वक प्रयास के बाद पुलिस ने युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही उसके परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

750 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया तस्कर दोषी, 10 साल की सख्त सजा

बीएनएम @ तुरकौलिया। मादक पदार्थ तस्करी के एक गंभीर मामले में एनडीपीएस कोर्ट प्रथम की विशेष न्यायाधीश रेशमा वर्मा ने अभियुक्त ओम कुमार को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर उसे तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। दोषी रामगढ़वा थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी हरिनारायण प्रसाद का पुत्र बताया गया है। यह मामला रामगढ़वा थाना कांड संख्या 202/2022 से जुड़ा है, जिसे तत्कालीन थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान के बयान पर दर्ज किया गया था। अभियोजन के अनुसार 25 जून 2022 को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक रघुनाथपुर से मादक पदार्थ लेकर नरीरगीर चौक पहुंचने वाले हैं, जहां से वे बस पकड़कर मुजफ्फरपुर जाने की तैयारी में थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने नरीरगीर मोड़ के समीप घेराबंदी कर दी। शाम करीब 5:10 बजे दो युवक झोला लेकर आते दिखे। पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की तो दोनों भागने लगे, लेकिन तत्परता से उन्हें दबोच लिया गया। पकड़े गए युवकों ने अपनी पहचान कलाम हवारी और ओम कुमार के रूप में बताई। तलाशी के दौरान झोले से प्लास्टिक पैकेट में रखी 750 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि यह मादक पदार्थ उसे मो. असलम ने दिया था, जिसे मुजफ्फरपुर में किसी व्यक्ति तक पहुंचाना था। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया। एनडीपीएस वाद संख्या 52/2022 के तहत सुनवाई के दौरान ओम कुमार के मामले को अलग कर विचारण किया गया। विशेष लोक अभियोजक डॉ. शंभू शरण सिंह ने करीब आधा दर्जन गवाहों की गवाही पेश की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने ओम कुमार को एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषी मानते हुए सख्त सजा सुनाई। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि न्यायिक हिरासत में बिताई गई अवधि को सजा में समायोजित किया जाएगा।

11वीं के छात्रा के साथ छेड़खानी व वीडीयो वायरल करने की धमकी देकर यौन शोषण का आरोप, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी कर वीडीयो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर यौन शोषण करने मामला सामने आया है। इस मामले में पिड़ित ने थाना पर आवेदन देकर सलमान राज उर्फ शालू और उसके पिता रहमान मियां, साहिल राज, आलीम पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जहां उसने बताया है कि वह गर्ल्स हाई स्कूल तुरकौलिया की 11वीं वर्ग की छात्रा है। विद्यालय व कोचिंग जाने के दौरान सुनसान जगह पर सलमान छेड़छाड़ करते हुए वीडियो बना लिया है। वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए मुझसे बात करता था। जब मुझे मालूम चला की वह दुसरे समुदाय से हैं तो बात करना बंद कर दी तो फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए दुसरे किसी के मकान में लेजाकर जबरदस्ती रेप भी किया। दुसरे धर्म का है यह बात को लेकर बातचीत बंद कर दिए थे। जब मैं दस अप्रैल को शाम में कोचिंग से घर जा रही थी तो रास्ते में निमोइया मोड़ पर रोक कर अपहरण करने का प्रयास करते हुए प्रावेट पार्ट के साथ छेड़खानी करने लगा। हल्ला करने पर जब लोग इकट्ठा हुए तो हवा में बंदूक लहराते हुए भाग निकला। जब लड़की के पिता बोरिंग चौक एबी हास्पीटल के पास तो सलमान, रहमान, साहिल व अज्ञात 50-60 लोग हरबे हथियार के घेर कर मारपीट किए। साथ ही मोबाइल व 15 हजार रुपए व सोने का चैन छिन लिया। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि मामले सलमान राज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

केसरिया में 50 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद, एक कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ केसरिया। बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 15 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बीजधरी निवासी वीरेंद्र मिश्रा के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि पुलिस को शराब कारोबार की सूचना मिली थी, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया गया। उन्होंने बताया कि दूसरी कार्रवाई में बथना के राघवा नदी किनारे जलकुंभी में छिपाकर रखे गए 7 प्लास्टिक गैलन से 35 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। इस मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एमजीसीयू में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर वैचारिक संगोष्ठी आयोजित

» लोकतंत्र, समानता और मानवाधिकारों पर गहन विमर्श

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), बिहार में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को एक भव्य वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने भाग लेते हुए बाबासाहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व, उनके विचारों तथा समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी भारतीय समाज को दिशा देने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने अंबेडकर के प्रसिद्ध कथन "शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पिएगा, वह दहाड़ेगा" का उल्लेख करते हुए शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का मूल आधार बताया। उन्होंने 'डिकॉलोनाइजेशन ऑफ माइंड' की अवधारणा पर बल देते हुए कहा कि अंबेडकर ने पाश्चात्य विचारों को भारतीय संदर्भ में ढालकर सामाजिक और आर्थिक समानता स्थापित करने का कार्य किया। कुलपति ने अंबेडकर के जीवन में महिलाओं— माता भीमाबाई, पत्नी रमाबाई एवं डॉ. सविता अंबेडकर— की प्रेरक भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने संविधान के नीति निदेशक तत्वों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान की सफलता उसके क्रियान्वयन में निहित है। मुख्य वक्ता डॉ. राजकुमार फलवारिया ने डॉ. अंबेडकर को वैश्विक व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि वे केवल एक वर्ग विशेष के नेता नहीं, बल्कि एक महान अर्थशास्त्री, विधिवेत्ता, पत्रकार और दूरदर्शी चिंतक थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय में अंबेडकर की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा 'मूकनायक', 'बहिष्कृत भारत' और 'जनता' जैसे पत्रों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने में उनके योगदान को सराहा। उन्होंने बताया कि 1936 में श्रमिकों के अधिकारों के लिए उन्होंने राजनीतिक संगठन का गठन किया तथा हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को अधिकार दिलाने का प्रयास किया। जेएनयू के डॉ. निशांत कुमार ने लोकतंत्र के विभिन्न आयामों पर विचार रखते हुए "डायलेक्टिक्स ऑफ डिलेमा" की अवधारणा के तहत लोकतंत्र, समानता और स्वतंत्रता के अंतर्विरोधों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि संविधान को समझने से पहले उसकी 'आत्मा' को समझना आवश्यक है। उन्होंने 'वन पर्सन, वन वोट, वन वैल्यू' के सिद्धांत को लोकतंत्र की आधारशिला बताते हुए सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में इसके विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, 'कलेक्टिव कॉन्शियसनेस' और 'सेंस ऑफ बिलॉन्गिंग' को सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक बताया। वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. स्मिता अग्रवाल ने मानवाधिकारों के संदर्भ में डॉ. अंबेडकर के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने दलितों, वंचितों के साथ-साथ महिलाओं के अधिकारों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने संविधान के प्रावधानों, विशेषकर भूमि सुधारों और सामाजिक न्याय से जुड़े अनुच्छेदों के संदर्भ में अंबेडकर की दूरदर्शिता को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन स्कूल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंस के डीन प्रो. रंजीत कुमार चौधरी ने किया, जबकि मंच संचालन डॉ. अभिलाषा ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कुंदन किशोर रजक ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आशा मीणा, डॉ. पाथलोथ ओमकार, डॉ. सुनील दीपक घोडके एवं डॉ. श्याम बाबू प्रसाद सहित अनेक शिक्षकों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर प्रो. राजेंद्र बड़गुजर, प्रो. सरोज रंजन, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ. अमिताभ ज्ञानरंजन, डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. गोविंद वर्मा, डॉ. बबलू पाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबासाहेब के विचारों को आत्मसात कर समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

जिला शांति समिति की बैठक में सामाजिक एकता पर दी गई जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के राधा नगर स्थित सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इस बैठक का शुभारंभ सदर एसडीओ निशांत सिहारा, सदर डीएसपी दिलीप कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी कुमारी प्रियंका, नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन, छतौनी थानाध्यक्ष मृत्युंजय पासवान, शांति समिति के अध्यक्ष डॉ. परवेज एवं मार्गदर्शक डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैठक में रामनवमी के अवसर पर जगतगुरु शंकराचार्य को अल्पसंख्यक वर्गों द्वारा दिए गए सम्मान की सभी अधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों ने मुक्त कंठ से सराहना की। वक्ताओं ने इसे सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल देशभर में साम्प्रदायिक सौहार्द को नई दिशा दे सकती है। कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार द्वारा किया गया जबकि अध्यक्षता डॉ. परवेज ने की। इस अवसर पर पंडित चन्द्र किशोर मिश्र, बिन्टी शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार रखे। शांति समिति की कार्यप्रणाली एवं भविष्य की रणनीतियों पर डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया ने विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक के दौरान डॉ. तबरेज एवं करीमूल इमाम को एसडीओ और डीएसपी द्वारा चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया को भी अधिकारियों द्वारा शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल गरिमामय हो उठा। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया द्वारा विभिन्न प्रकार के पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों का आयोजन किया गया, जिसका सभी उपस्थित अतिथियों ने आनंद लिया और भूरि-भूरि प्रशंसा की।

धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती, सामाजिक समानता का लिया गया संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के बंजरिया पंडाल स्थित गाँधी आश्रम में मंगलवार को बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चम्पारण द्वारा की गई। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, नागरिकों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री राय ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन बेहद खास है, क्योंकि इसी दिन भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है। उन्होंने दलित, शोषित एवं पिछड़े समाज के उत्थान के लिए समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान की नींव रखी। उन्होंने कहा कि अंबेडकर जयंती केवल एक राष्ट्रीय अवकाश नहीं, बल्कि उस महान व्यक्तित्व को नमन करने का दिन है जिन्होंने देश की दिशा और दशा बदल दी। श्री राय ने सभी से बाबा साहेब के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं होती, तब तक कानूनी स्वतंत्रता का महत्व अधूरा है। उन्होंने युवाओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के मंत्र को अपनाते हुए समतामूलक समाज की स्थापना के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने तथा समाज में समानता, भाईचारा और न्याय को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मौके पर श्याम बिहार प्रसाद (पूर्व राज्य मंत्री, बिहार सरकार), संगठन प्रभारी शैलेन्द्र सिंह, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, ओसैदुर्र रहमान उर्फ रोमा खान सहित अनेक गणमान्य लोग एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए।

चंपारण की धरती पर गूंजा गांधी का संदेश, मेहसी में "एक कदम गांधी की ओर" पदयात्रा का भव्य स्वागत

» अंबेडकर जयंती व गांधी सत्याग्रह शताब्दी पर निकली पदयात्रा ने दिया लोकतंत्र और सामाजिक एकता का संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली "एक कदम गांधी की ओर" संवाद -सह- पदयात्रा सोमवार को चंपारण की सीमा मेहसी में प्रवेश कर गई। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती एवं गांधी सत्याग्रह की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक भाईचारे के प्रति आमजन को जागरूक करना है। सर्व सेवा संघ सर्वोदय मंडल, बिहार के तत्वावधान में निकली यह पदयात्रा भीषण गर्मी के बावजूद निरंतर आगे बढ़ती रही। पदयात्रियों ने मेहसी के प्रमुख स्थलों- बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, खेसारी चौक और बैंक चौक का भ्रमण करते हुए स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया और गांधीजी के विचारों का व्यापक प्रसार किया। वहीं बेबी गार्डन स्कूल परिसर में आयोजित स्वागत समारोह के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अमर ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में देश और विश्व में बढ़ती हिंसा, नफरत और विभाजनकारी प्रवृत्तियों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारी साझा संस्कृति, भाषा और सामाजिक एकता को सुदृढ़ बनाने के लिए केवल विचार नहीं, बल्कि ठोस कार्य भी आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने संविधान और लोकतंत्र पर मंडरा रहे खतरों के प्रति नागरिकों को सतर्क रहने का आह्वान किया। स्वागत भाषण में चंपारण की ऐतिहासिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह भूमि स्वतंत्रता संग्राम और शहीदों की तपोभूमि रही है, जहां गांधीजी के विचारों की आज भी विशेष प्रासंगिकता बनी हुई है। इस पदयात्रा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आशा व्यक्त की गई। अल्पविराम एवं भोजन के उपरांत पदयात्री नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों: 2, 1, 6, 14, 12, 11, 10 और 9 का भ्रमण करते हुए लोगों के बीच अपने संदेश का प्रसार करते हुए आगे बढ़ गए। इस पदयात्रा का नेतृत्व अशोक भारती, अरविंद अंजुम एवं सिस्टर फ्लोरिन कर रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर हामिद रजा, कुमारी स्वर्ण एवं नरसिंह रूप द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस पदयात्रा में कुल 20 यात्री शामिल हैं, जो निरंतर समाज में जागरूकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

विक्रम संवत् नववर्ष 2083 पर बीरगंज में सफाई, बेंच स्थापना और वृक्षारोपण आयोजित

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल / बीरगंज। विक्रम संवत् नववर्ष 2083 के अवसर पर बीरगंज के पुराने बसपार्क क्षेत्र में सफाई अभियान, बेंच स्थापना तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रीनसिटी सामुदायिक प्रहरी आदर्शनगर और सिद्धार्थ दियालो होटल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्रीनसिटी के अध्यक्ष जय प्रकाश खेतान ने किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ दियालो होटल के संचालक विशाल पटवारी, अर्पणा पटवारी, सामुदायिक प्रहरी के सदस्य एवं पदाधिकारी, स्थानीय निवासी तथा अन्य सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम के तहत पुराने बसपार्क क्षेत्र की सफाई कर वातावरण को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया गया। साथ ही आम नागरिकों को बैठने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर बेंच स्थापित किए गए। इसके अलावा हरियाली को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यक्रम शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में सहायक होते हैं। नववर्ष की शुरुआत के साथ किया गया यह प्रयास शहरवासियों के बीच सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा और लोगों ने इस पहल की सराहना की।

अंबेडकर जयंती पर सीकरीया संस्थान में श्रद्धांजलि, बस्ती के बच्चों को बांटी स्वच्छता किट

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सोमवार को भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सीकरीया के नेतृत्व में सीकरीया शिक्षण संस्थान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के बाद यमुना सीकरीया ने बेगमपुर बस्ती पहुंचकर बच्चों के बीच स्वच्छता किट का वितरण किया। इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों ने सराहना की। मौके पर भाजपा नेता रोचक झा, अनिल प्रसाद तथा प्रिंसिपल प्रीति दुबे मौजूद रहीं। सभा को संबोधित करते हुए यमुना सीकरीया ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से हर वर्ग को समान अधिकार और अवसर की आजादी दी, जिससे भारतीय लोकतंत्र की मजबूत नींव पड़ी। उन्होंने छात्रों से बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने और शिक्षित, संगठित व जागरूक समाज के निर्माण में भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस दौरान छात्रों को संविधान, सामाजिक समरसता और शिक्षा के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर 'भीम शक्ति संवाद' का भव्य आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में 'भीम शक्ति संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहर के चांदमारी स्थित राजेंद्र छात्रावास में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश दयाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके उपरांत उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वही दहाड़ेगा।" उन्होंने बताया कि 'भीम शक्ति संवाद' कार्यक्रम बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित किया जा रहा है।अपने संबोधन में उन्होंने बाबा साहेब के महान व्यक्तित्व और उनके बहुभाषी ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपसी भाईचारा, सद्भावना, धर्मनिरपेक्षता, एकता और अखंडता जैसे मूल्यों को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज और राष्ट्र का सशक्त निर्माण तभी संभव है जब जातिवाद, धर्मवाद और वर्णभेद जैसी कुरीतियों का समूल नाश किया जाए। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुनमुन जयसवाल, संजीव कुमार सिंह (टुन्नी सिंह), राहुल कुमार शर्मा, विजय कांत त्रिपाठी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सहित रवि कुमार, सूरज कुमार, ईश्वर चंद्र प्रसाद, आयुष कुमार, अंकित कुमार, मोहम्मद इकराम, आर्यन कुमार, डॉ. मनीष कुशवाहा, झुन्नू सिंह, रौशन कुमार, युवराज कुमार, अमन कुमार, सचिन कुमार समेत अनेक युवाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब के विचारों से प्रेरित कर शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के प्रति जागरूक करना रहा।

अरेराज पहुँची हरिहरनाथ-मुक्तिनाथ यात्रा, संतों और श्रद्धालुओं ने किया पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। बाबा सोमेश्वरनाथ की ऐतिहासिक और पावन नगरी आज उस समय पूरी तरह शिवमय हो गई जब हरिहरनाथ से चलकर मुक्तिनाथ की दुर्गम पहाड़ियों की ओर प्रस्थान करने वाली विशाल आध्यात्मिक यात्रा ने यहाँ अपनी दस्तक दी। नगर की सीमाओं पर पहुँचते ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था, जहाँ स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा और गगनभेदी जयकारों के साथ पूरी यात्रा का अभूतपूर्व अभिनंदन किया। इस मौके पर संपूर्ण क्षेत्र में एक अलग ही आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला और भक्तों की भारी भीड़ अपने आराध्य के जयघोष के साथ यात्रा के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती नजर आई। इस पावन अवसर पर आयोजित विशेष सभा को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर रविशंकर गिरी जी महाराज ने अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज अरेराज की धरती के लिए यह अत्यंत सौभाग्य और गौरव का विषय है कि उसे इस महान यात्रा की मेजबानी करने का अवसर प्राप्त हुआ है। महाराज जी ने इस यात्रा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि इसे केवल एक साधारण धार्मिक भ्रमण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह यात्रा सामाजिक समरसता के धागे को मजबूत करने और हिंदुत्व की मूल भावना को प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन तक पहुँचाने का एक महान संकल्प है। उन्होंने समाज का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता के दौर में अपनी जड़ों से जुड़े रहना आवश्यक है और ऐसी यात्राएँ ही हमारी सुप्त आध्यात्मिक शक्ति को पुनर्जीवित कर हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए प्रेरित करती हैं। यात्रा के इस पड़ाव के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ संत रविदास जी और अरुण जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया। महामंडलेश्वर ने इस दौरान यात्रा के कुशल प्रबंधन और व्यवस्थाओं की देखरेख कर रही पूरी टीम की हृदय से सराहना की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार यह अभियान हरिहरनाथ की पावन भूमि से आरंभ होकर मुक्तिनाथ की पवित्र ऊंचाइयों तक भारतीय संस्कृति, राष्ट्रवाद और सनातन धर्म के विजय ध्वज को फहराने का कार्य कर रहा है। स्वागत समारोह में सोमेश्वरनाथ मंदिर के पंडा-पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वातावरण को शुद्ध किया, वहीं स्वयंसेवकों और हजारों की संख्या में उमड़े नगरवासियों ने इस आध्यात्मिक समागम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ सामूहिक वंदना और आरती संपन्न हुई, जिसके पश्चात यह विशाल आध्यात्मिक कारवां अपने अगले गंतव्य की ओर रवाना हो गया। जाते-जाते यह यात्रा क्षेत्र के लोगों के मन में भक्ति, एकता और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की एक गहरी छाप छोड़ गई।

संक्षिप्त समाचार

सेवन स्टार कोचिंग में प्रतिभा सम्मान समारोह

बीएनएम @ बेतिया : बैरिया प्रखंड के तधवानंदपुर पंचायत स्थित सेवन स्टार कोचिंग संस्थान में मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए 'प्रतिभा सम्मान समारोह' का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह सरपंच महासंघ की अध्यक्ष रजिया तबस्सुम ने फीता काटकर किया। इस गरिमामय अवसर पर बैरिया थाना के एस.आई. चंदन तिवारी, सरपंच बीरेंद्र साह, मुखिया हरिहर साह और शिक्षक नेता सचिन सक्सेना ने उपस्थित होकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।अतिथियों ने सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए उन्हें अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संस्थान के डायरेक्टर बी.के. बिहारी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समारोह में भारी संख्या में मौजूद अभिभावकों और छात्रों के बीच शिक्षा के प्रति भारी उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया।

सेनुवारिया में 'संविधान निर्माता' को नमन

बीएनएम @ बेतिया : पश्चिम चंपारण के सेनुवारिया में लैब ऑफ एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। ट्रस्ट के संस्थापक सह अध्यक्ष नितेश कुमार पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया गया। नितेश कुमार पटेल ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि एक साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर संविधान निर्माण तक का उनका सफर हर युवा के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सेनुवारिया पंचायत के सरपंच नरेश पटेल ने बच्चों को मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देते हुए संविधान पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस ज्ञानवर्धक समारोह में अनीश सिंह, काजल कुमारी, आनंद कुमार और पुष्पा कुमारी समेत संस्थान के अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन सिर्फ कानून नहीं, बराबरी का हक हैः प्रीति प्रिया

बीएनएम @ पटना। राजधानी पटना के गांधी मैदान स्थित होटल पनाश में महिला पंख हाट चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में 'नारी शक्ति वंदन' पहल का जोरदार स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस कदम को सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बदलाव बताया।बीएमएस की संस्थापिका प्रीति प्रिया ने आरक्षण का समर्थन करते हुए कहा कि देश की 48 प्रतिशत महिला आबादी के लिए नीति निर्माण में 33 प्रतिशत की भागीदारी एक सकारात्मक शुरुआत है। प्रज्ञा वात्स्यायन और संध्या सरकार ने जोर देकर कहा कि नारी सृष्टि की आधारशिला है और उनके बिना समाज का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। वहीं, अमरावती सिंह ने इसे उन महिलाओं के लिए नई उम्मीद बताया जिनकी आवाज पहले घर की चारदीवारी तक सीमित थी।कार्यक्रम में भावना भूषण और भावना भारद्वाज सहित कई अन्य महिलाओं ने भी इस पहल की सराहना की। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह कानून महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने और देश के विकास को नई गति देने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

वीटीआर के जंगल में मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

बीएनएम @बगहा : वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर वन क्षेत्र में वन विभाग और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध शराब निर्माण के विरुद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में जंगल के भीतर संचालित हो रही एक मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। उत्पाद विभाग के एएसआई अंकित कुमार और मदनपुर रेंजर नसीम अंसारी के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई करते हुए 11 ड्रमों में भरे 2200 लीटर अवैध देसी चुलाई शराब बरामद की, जिसे मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया।लौकरिया और नौरंगिया थाना क्षेत्रों के सीमावर्ती जंगलों में शराब कारोबारी लंबे समय से सक्रिय हैं। कार्रवाई के बावजूद, सस्ती दर पर शराब बेचने का यह काला धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। कई बार जेल जाने के बाद भी कारोबारी दोबारा इस धंधे में शामिल हो रहे हैं। रेंजर नसीम अंसारी ने स्पष्ट किया कि जंगल में अवैध गतिविधियों और शराब निर्माण के खिलाफ सख्त अभियान जारी रहेगा ताकि पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा बनी रहे।

शिक्षा ही समाज के बदलाव का सबसे बड़ा हथियारः बीडीओ

बीएनएम @ योगापट्टी: योगापट्टी प्रखंड परिसर में मंगलवार को भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के तत्वावधान में वीर तिलक मांझी चौक से प्रखंड परिसर तक एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें आकर्षक झांकियां और गाजे-बाजे शामिल रहे। प्रखंड मुख्यालय पहुँचकर प्रखंड विकास पदाधिकारी शशिभूषण कुमार, मच्छरगांवा नगर अध्यक्ष अश्विनी कुमार, संघ के अध्यक्ष किशोरी राम, बेचू पासवान और प्रखंड प्रमुख पति शंभू माली ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।श्रद्धांजलि के पश्चात संयुक्त रूप से केक काटकर खुशियां साझा की गईं। वक्ताओं ने बाबा साहेब के ऐतिहासिक योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि उनके सिद्धांतों ने समाज से भेदभाव मिटाने और समानता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने "शिक्षित बनो" के संदेश पर जोर देते हुए शिक्षा को उन्नति का आधार बताया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर योगापट्टी पुलिस मुस्तैद रही और बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

बेलबनवा में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

बीएनएम @बेतिया: बैरिया प्रखंड के बेलबनवा ग्राम में मंगलवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नौतन विधानसभा प्रतिनिधि सह ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नीरज कुमार उर्फ बबलू उपस्थित हुए। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।समारोह को संबोधित करते हुए नीरज कुमार ने कहा कि बाबा साहेब के विचार और समानता के लिए किया गया उनका संघर्ष आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि समाज में समरसता, न्याय और एकता को सुदृढ़ करने के लिए अंबेडकर जी के आदर्शों को जीवन में उतारना आवश्यक है। इस कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं और जनप्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही, जिससे पूरे क्षेत्र में सामाजिक चेतना का संचार हुआ।

अंबेडकर चौक पर केक काटकर मनाई गई बाबा साहेब की जयंती, मोमेंटो देकर हुआ सम्मान

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। शहर के अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती विश्व ज्ञान दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अंबेडकर ज्ञान मंच के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में केक काटकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रबुद्ध जनों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रखर पत्रकार राजेश केशरीवाल ने अंबेडकर ज्ञान मंच के संस्थापक मुनेश राम को बाबा साहेब का तैल चित्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं मंच के केंद्रीय अध्यक्ष रविंद्र कुमार का भी फूलों की माला पहनाकर तथा नीला गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर अनुयायियों और युवाओं को भी भीम पताका एवं नीला गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं शहर के प्रबुद्ध नागरिकों—कपिल देव राय, जयप्रकाश नारायण यादव, महेंद्र ठाकुर, जगन राम एवं सज्जन पासवान को भी माला पहनाकर तथा भीम पताका देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मिठाइयां बांटी गईं और एक-दूसरे को केक खिलाकर जयंती को उत्सव के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहेब के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके ऐतिहासिक योगदानों को नमन किया और सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की। अंत में राष्ट्र की ओर से बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, समाजसेवी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अम्बेडकर जयंती पर श्रीपुर पंचायत में पुस्तकालय का उद्घाटन, 100 मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

बीएनएम @ घोड़ासहन/श्रीपुर

घोड़ासहन/श्रीपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को ग्राम पंचायत राज श्रीपुर स्थित पंचायत सरकार भवन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय' का उद्घाटन रहा, जो क्षेत्र के विद्यार्थियों और शिक्षा प्रेमियों के लिए बड़ी सौगात माना जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुखिया उदय सोनम जायसवाल ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल और पुस्तकें देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए घोषणा की कि 400 से अधिक अंक लाने वाले छात्रों को साइकिल उपहार में दी जाएगी, जबकि आगामी परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों को पंचायत स्तर पर लैपटॉप देकर सम्मानित किया जाएगा। अंबेडकर जयंती को यादगार बनाने के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवा पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क आंख जांच शिविर लगाया गया, जहां जरूरतमंद लोगों के बीच मुफ्त चश्मा और दवाइयों का वितरण किया गया। इससे पूर्व बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा केक काटकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रविन्द्र पासवान, जय प्रकाश एमडी, अशोक कुमार, शत्रुघ्न ठाकुर, रघुनाथ पासवान, सन्नी कुमार, रंजन कुशवाहा, बबलू यादव और नवल पासवान समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सत्तूआनी पर सामाजिक समरसता का संगमः महामंडलेश्वर रविशंकर गिरि ने दिया सेवा और एकता का संदेश

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अनादि काल से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र रहे बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव की पावन नगरी अरेराज धाम में आज सत्तूआनी का पर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं रहा, बल्कि यह 'सामाजिक समरसता' के एक विराट उत्सव में तब्दील हो गया। बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के आह्वान पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में भक्ति, सेवा और सनातन परंपराओं का ऐसा संगम दिखा, जिसने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। मंदिर परिसर में वैदिक ऋचाओं के बीच बाबा का अभिषेक हुआ और परंपरा के अनुसार सत्तू व शीतल जल का भोग लगाकर लोक कल्याण की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर अरेराज पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रविशंकर गिरि जी महाराज ने अपनी ओजस्वी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने समाज के वंचित और निर्धन वर्गों के बीच स्वयं अन्न व दक्षिणा का वितरण कर यह संदेश दिया कि सनातन धर्म में सेवा ही सर्वोपरि है। महाराज जी ने बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष श्री रणबीर नंदन की दूरदर्शी सोच की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कुशल निर्देशन में आज बिहार के मठ-मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं रहे, बल्कि सामाजिक एकता के स्तंभ बन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अध्यक्ष महोदय के प्रयासों से पूरे प्रदेश में जिस प्रकार समरसता का व्यापक स्वरूप उभर कर सामने आया है, वह हिंदू धर्म की जड़ों को और भी गहराई प्रदान करेगा। महामंडलेश्वर जी ने आगे कहा कि जब समाज के संत, महंत और नेतृत्वकर्ता एक सूत्र में बंधकर धर्म की रक्षा और समाज के उत्थान का संकल्प लेते हैं, तभी राष्ट्र गौरवशाली बनता है। उन्होंने श्री रणबीर नंदन को यशस्वी और दीर्घायु होने का शुभाशीष प्रदान करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत एक नए स्वर्ण युग की ओर अग्रसर है। सत्तूआनी के इस पुनीत अवसर पर पूरे अरेराज क्षेत्र में उत्साह का संचार देखा गया और श्रद्धालुओं ने इस पहल को सामाजिक एकजुटता की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

"मुख्यमंत्री का चेहरा बदलना जनता के भरोसे के साथ धोखाः मनोज राम

बीएनएम @पटना

पटना। बिहार की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सासाराम से कांग्रेस सांसद मनोज राम ने मुख्यमंत्री बदलने की प्रक्रिया पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने इस नेतृत्व परिवर्तन को जनता के जनादेश के साथ सीधा विश्वासघात करार दिया। सांसद ने कहा कि एनडीए ने पिछला चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा था, ऐसे में बीच कार्यकाल में चेहरा बदलना मतदाताओं के साथ अन्याय है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अभी तो एक बार चेहरा बदला गया है, भविष्य में न जाने कितनी बार और बदलाव देखने को मिलेंगे।इस सियासी उठापटक के बीच, भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने की चर्चाएं तेज हैं। माना जा रहा है कि भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री और जदयू की ओर से दो उपमुख्यमंत्री शपथ ले सकते हैं। इस दौरान मनोज राम ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर बाबा साहेब को याद करते हुए उनके संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करने पर जोर दिया। बिहार की यह नई सियासी बिसात अब एक बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रही है।

हत्या के प्रयास के दो मामलों में दो नामजद आरोपी गिरफ्तार, बाकी की तलाश में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

बीएनएम @ हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की यह कार्रवाई लगातार चल रही छापेमारी अभियान के तहत की गई। पहला मामला 5 अप्रैल का है। उज्जैन लोहियार डीह टोला में बोरिंग पर मोटर बांधने को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान पन्नालाल महतो और उनकी पत्नी फूलझरी देवी पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। दोनों घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया गया। मामले में पन्नालाल महतो के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें वीरेंद्र महतो समेत 15 लोगों को नामजद किया गया था। पुलिस ने इस कांड में उज्जैन लोहियार डीह टोला निवासी वीरेंद्र महतो को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा मामला धनखरैया गांव का है, जहां भूमि विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि लोहे की रॉड से हमला कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। इस मामले में धर्मेंद्र के चाचा हरि साहनी के बयान पर एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें विमल साहनी, उनकी पत्नी संगीता देवी सहित तीन लोगों को आरोपी बनाया गया। पुलिस ने इस मामले में धनखरैया निवासी विमल साहनी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में दोनों नामजद आरोपियों को दबोच लिया गया। उन्होंने कहा कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अंबेडकर जयंती पर पताही प्रखंड मुख्यालय में उमड़ा जनसैलाब, बाबा साहब की प्रतिमा पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

बीएनएम @ मोतिहारी

डॉ.भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के अवसर पर पताही प्रखंड मुख्यालय परिसर में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं ग्रामीणों द्वारा श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद एवं स्कूली बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा समाज को दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। साथ ही उनके बताए रास्ते पर चलने और सामाजिक न्याय, समानता तथा भाईचारे के मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब ने अपने पूरे जीवनकाल में समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश को एक मजबूत और लोकतांत्रिक संविधान देकर सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किया। उनके विचार आज भी समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार, पताही प्रमुख प्रमुख धर्मेंद्र कुमार, उप प्रमुख प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि रंजय पासवान, पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मिश्रा, पताही पूर्वी के मुखिया कृष्ण मोहन कुमार, जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में समानता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया। पूरे परिसर में बाबा साहब के जयकारों से माहौल गूंज उठा और लोगों ने एकजुट होकर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया

तज़ुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा?
कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तज़ुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतः तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है। ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतः यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तज़ुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

संजय गोस्वामी

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां –बाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां-बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरीलगवा देते हैं बच्चों के जीवन मेंसंघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं—अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ''स्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !''शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता

का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं।

शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है, शिक्षा का परम उद्देश्य संस्कार होता है, वह ओझल हो गया है।विद्या ददाति विनयम् के आधार पर प्रदान की जाने वाली शिक्षा विकासोन्मुखी एवं संस्कारोन्मुखी थी। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक-शिक्षार्थी सम्बन्ध लगभग समाप्त हो गये हैं। समस्त शिक्षण व्यवस्था का केन्द्र-बिन्दु शिक्षक है। सामाजिक मूल्यों में चाहे जितनी गिरावट आयी हो किन्तु समूचा समाज शिक्षक को आज भी अपेक्षाकृत अन्य वर्गों की तुलना में सम्मान की दृष्टि से देखता है।० उन्ही लोगों के साथ न जुड़े रहना जो आपको बार बार और लगातार दर्द दे रहें हैं। यह सोचकर बैठ जाना की आप जीवन कुछ खो नहीं सकते। जब अचानक संघर्ष आता है तो तैयारी न होने पर लोग टूट जाते हैं या बिखर जाते हैं टूट गए तो फिर जुड़ जाएंगे लेकिन बिखर गए तो व्यक्तित्व के टुकड़े समेटना मुश्किल होगा आज के बच्चों को तो मालूम ही नहीं है कि संघर्ष होता क्या है।अतः हमें अपने मन की प्रक्रिया के विषय में एक स्पष्ट धारणा रखने की आवश्यकता है। क्या हम इसे अपने आज्ञा-पालन में, अपने साथ सहयोग करने में प्रशिक्षित कर सकते हैं ? किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व के विकास में माता पिता का अहम योगदान रहता है।

रंग, राग और रचनाः जीवन में कला का उत्सव

सुनील कुमार महला

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख)

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है।इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैल.ई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैल.ई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है।

अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

मेष राशिः आज तरक्की के नये रास्ते खुले नजर आयेंगे। शाम तक अच्छी खबर मिलने की संभावना बन रही है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जाएंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। आप आसपास के लोगों से सहानुभूति बनाये रखेंगे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स के लिए दिन खास रहने वाला है। आपके साथ सब कुछ अच्छा होगा। छात्रों को किसी बहु प्रतीक्षित परीक्षा परिणाम की प्राप्ति होगी।

वृष राशिः आज करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर मिलेंगे। बिजनेसमैन को काम में नए कुछ बेहतर अवसर मिलेंगे। आज आप कुछ ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिए तैयार रहेंगे। आज आपको अपने सगे-संबंधियों से भी पूरा लाभ मिलेगा।परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा।

मिथुन राशिःआज दांपत्य रिश्ते के बीच चल रही अनबन खत्म होगी। रिश्तों में मधुरता आयेगी। बिजनेस में किसी काम को लेकर परेशान हो सकते हैं। बच्चे आपसे अपनी बात शेयर कर सकते हैं। आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी काम से आपको अधिक भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। साथ ही कामकाज की व्यस्तता में आपको खाना-पीना बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए। इससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है।

कर्क राशिःआपका रुझान आज सामाजिक कार्यों की तरफ रहेगा। आज पड़ोसियों के साथ आपकी मीटिंग भी हो सकती है। साथ ही अपने परिवेश में साफ सफाई के मुद्दे पर अपने पड़ोसियों के साथ विचार विमर्श करेंगे। गृहस्थ जीवन खुशहाल रहेगा। आपका स्वाभाव पूर्व की अपेक्षा विनम्र हो जायेगा। बच्चों के भविष्य को लेकर आप किसी अनुभवी से परामर्श लेंगे।

सिंह राशिःआज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप मन में चल रही है बातों को किसी के सामने उजागर नहीं होने देंगे, नहीं तो लोग इसका फायदा उठा सकते हैं। आज आपको लाभ के कुछ अवसर प्राप्त होंगे। जो लोग बेरोजगार हैं, उन्हें रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों को नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। आज आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

कन्या राशिःआज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी होगी। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। कम मेहनत से बड़ी सफलता मिल सकती है। वेब डिजाइनर्स के लिए दिन सर्वोत्तम रहने वाला है। विद्यार्थी पढ़ाई के मामले में अपने दोस्तों से प्रेरित होंगे और अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पित होने का प्रयास करेंगे। आज आपको बड़ी खुशखबरी मिलेगी। लवमेट के साथ शादी फिक्स होने के योग बन रहे है।

तुला राशिःआज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। माता-पिता से आप मन में चल रही कुछ बातों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए आज आप उपहार लेकर आ सकते हैं। आप अपने गुरु से करियर के बारे में परामर्श ले सकते है। आज आपके बिजनेस की गति धीमी रहने के कारण आप परेशान रहेंगे। आपको दोस्त से बिना वजह की बाते करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव आपके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आप अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाये रखेंगे। बायोलॉजी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। टीचर्स का आपको पूरा- पूरा सपोर्ट मिलेगा। माता-पिता के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आज बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होने की उम्मीद है। आप अपनी बात को सही ढंग से रखने में सफल होंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज पैसों से जुड़ा मामला आसानी से सुलझ जायेगा। आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा। आज दिनभर उत्साह और कॉन्फिडेंस रहेगा। आपको कुछ नई चीज़ों से जुड़ाव महसूस होगा। आप धैर्य से काम लेंगे और आप अपनी सभी समस्याओं का हल आराम से ढूंढ निकालेंगे।

मकर राशिः आज आपकी सेहत पहले की अपेक्षा अच्छी रहेगी। आज का दिन खुद में बदलाव लाने के लिए अच्छा है। करियर में आपकी सफलता सुनिश्चित होगी। आज आपको घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है।

कुंभ राशि : आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी अधूरी इच्छा पूरी होगी। आज आपको उम्मीद से अधिक धन प्राप्त हो सकता है। आपके रुके हुए काम आज जरूर पूरे हो जाएंगे। ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन ख़ास रहेगा। आज करियर के मामले में चीजें बेहतर होने के आसार हैं। आप अपना काम अच्छे से पूरा करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आज आपको अपने जीवनसाथी की सेहत के प्रति चिंता हो सकती है। आपको उनका पूरा ध्यान रखना चाहिए। परिवार में आपको सबका सहयोग मिलता रहेगा।

कैनवास पर जिंदगीः जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस)

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर

में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है। अंततः, हमें कला को केवल दीर्घाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स

(केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 में मिल सकती है वैभव सूर्यवंशी को जगह

सबसे कम उम्र में डेब्यू का सचिन का रिकार्ड टूटेगा

एजेंसी, मुम्बई

वैभव सूर्यवंशी को शीघ्र ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिल सकती है। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे वैभव को जून में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वैभव इसी के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाल सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी वैभव की उम्र केवल 15 साल है। अगर उन्हें टीम में जब मिलती है तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी

पीछे छोड़ देंगे। सचिन ने साल 1989 में 16 साल और 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ कराची में अपना टेस्ट डेब्यू में किया था। वहीं कुल मिलाकर देखें तो शेफाली वर्मा भारत के लिए खेलने वाली सबसे युवा क्रिकेटर हैं, जिन्होंने 15 साल, 7 महीने और 27 दिन की उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दावेदारों में शामिल हैं, और चयनकर्ताओं ने उनके नाम पर भी विचार किया है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को दो मैचों की टी20आई सीरीज खेलनी है।

इस सीरीज का पहला 26 जून को बेलफास्ट में खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। अगर वैभव इस दौरे में सफल रहते हैं तो उन्हें आगामी आयरलैंड सीरीज के साथ-साथ इस साल के अंत में होने वाले ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया जा सकता है।

पोलार्ड को डगआउट से चिल्लाते देख प्रशसंकों को याद आया टेप वाला मैच

एजेंसी, मुम्बई

मुम्बई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसबी) के बीच में मुंबई के डगआउट में बैठे बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड को देखकर प्रशंसकों को एक दशक पहले का वो रोमांचक मुकाबला याद आ गया, जब पोलार्ड मुंह पर टेप लगाकर मैदान पर उतरे थे। पोलार्ड ने तब अपने मुंह पर टेप अंपायर के टोकने पर विरोध जताते हुए लगा दिया था। साल 2015 में हुए इस मुकाबले में पोलार्ड की हरकतों से आरसीब के हाथ आई जीत फिसल गयी थी। तक बैंगलुरु के चिन्नास्वामी

स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये थे। ऐसे में आरसीबी को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला था। मुम्बई जानती थी कि क्रिस गेल के रहते ये लक्ष्य बचाना संभव नहीं है। ऐसे में मुंबई को पता था कि गेल को रोकना है तो उनकी एकाग्रता तोड़नी होगी। ऐसे में मिड-ऑन पर फील्डिंग कर रहे पोलार्ड लगातार कुछ न कुछ बोलते रहे। यहां तक कि बहस होने पर पोलार्ड ने गेल का हेलमेट ही पकड़ लिया। तभी ऐसे में अंपायरों ने हस्तक्षेप कर पोलार्ड को कड़ी चेतावनी दी गई।इससे नाराज पोलार्ड ने एक भूरा टेप अपने मुंह पर लगा लिया। साथी खिलाड़ी से बात करते समय वह टेप हटाते थे और फिर वो दोबारा लगा लेते थे। पोलार्ड की इस अजीब हरकत से सभी हंसने लगे पर इस सबसे से गेल की एकाग्रता टूट गयी।

भारतीय क्रिकेट में कोच कर्स्टन का काफी प्रभाव पड़ा : युवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट पर पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का काफी प्रभाव रहा है। युवराज के अनुसार उनके कोच रहते हुए टीम को काफी सफलताएं मिलीं। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से कर्स्टन खिलाड़ियों को एक इकाई के तौर पर जोड़ते और उनपर भरोस दिखाते थे वह भी एक बड़ी बात थी। इसी कारण साल 2008 से 2011 के बीच टीम में काफी बदलाव आये। युवराज ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बातचीत के दौरान कर्स्टन के कार्यकाल के दौरान सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम की प्रगति को बताया है। तब भारतीय टीम सभी प्रारुपों में तेजी से आगे बढ़ रही थी।

युवराज ने एक एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि उस समय कर्स्टन का बहुत बड़ा असर था। वह एक अच्छे इंसान थे। हमें एक अच्छे इंसान की कोच के तौर पर जरूरत थी। बस हमें यही चाहिए था। इसके अलावा वह बहुत मेहनती थे। जिस दिन वह आए, उन्होंने कहा था कि अगले चार सालों में हम सभी प्रारुपों में नंबर एक पर होंगे। तब सभी हैरान थे पर अगले चार सालों में हमने ठीक वैसा ही किया। जबकि ऑस्ट्रेलिया भी उस समय अपना प्रभाव बनाए हुए थी।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

एजेंसी, मुम्बई

मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स

(केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

बिजनेस

एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत बोइंग 787-8 विमान पहुंचा दिल्ली एयरपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत (रिफर्बिश्ड) चौड़े आकार वाला बोइंग 787-8 विमान सोमवार देरात दिल्ली पहुंच गया। एयर इंडिया एयरलाइन ने मंगलवार को एक्स पर जारी बयान में बताया कि वीटी-एएनटी पंजीकरण वाला यह विमान अमेरिका के सैन बर्नार्डिनो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगातार उड़ान भरते हुए रात करीब 10 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डा पहुंचा। एयरलाइन ने तीन साल पहले चौड़े आकार वाले विमानों के अपने बेड़े के व्यापक नवीनीकरण के लिए 40 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। एयरलाइन ने कहा कि ये उसके 26 विमानों के नवीनीकरण कार्यक्रम के तहत पहले बोइंग 787-8 विमान का व्यापक कायाकल्प पूरा होने का संकेत है। इस विमान में आधुनिक सीटें, मनोरंजन व्यवस्था और प्रीमियम इकॉनमी केबिन जोड़े

गए हैं। यह चौड़े आकार वाला बेड़ा मुख्य रूप से 787-8 और बी777 विमानों से बना है, जो यूरोप, अमेरिका और सुदूर-पूर्व के लंबी दूरी के मार्गों पर उड़ान भरते हैं। कंपनी ने दिसंबर, 2022 में 40 करोड़ डॉलर के निवेश से अपने 27 ड्रीमलाइनर और 13 बी777 विमानों के नवीनीकरण की योजना घोषित की थी। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला और भू-राजनीतिक कारणों से इस परियोजना में देरी हुई। एयरलाइन ने कहा कि हमारा यह पहला रेट्रोफ़िटेड बोइंग 787-8, वीटी-एंट, आ गया है। यह इस प्रोग्राम के तहत 26 विमानों में से पहले विमान के केबिन को पूरी तरह से नया बनाने का काम पूरा होने का संकेत है। एयरलाइन ने बताया कि हमारे चल रहे फ़्लीट ट्रांसफ़ॉर्मेशन में एक अहम पड़ाव है। यह हमारे मेहमानों के लिए एक बदले हुए फ़्लाइंग अनुभव की बस शुरुआत है, क्योंकि ये दो-गलियारे वाले विमान यूके, यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और सुदूर पूर्व के लंबी दूरी वाले डेस्टिनेशन तक उड़ान भरेंगे और जैसे ही ये सेवा में आने के लिए तैयार होगा, और ज्यादा जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

इंडिगो की चार दिन की सेल, टिकट पर 10 फीसदी तक की छूट

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार से चार दिनों की गर्मियों की छुट्टी सेल की घोषणा की है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर टिकट बुकिंग में 10 फीसदी तक छूट दी जाएगी। इसके तहत यात्रा 01 जुलाई से नौ अक्टूबर 2026 के बीच की जा सकती है।

एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इंडिगो अपनी गर्मियों की छुट्टी सेल के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 फीसदी तक की छूट दे रही है। कंपनी का ये ऑफ़र 14 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच की गई बुकिंग पर मान्य है, जिसके तहत यात्रा एक जुलाई से नौ अक्टूबर 2026 के बीच की जा सकती है।

यात्री इस ऑफर के तहत इंडिगो की वेबसाइट www.goindigo.in, मोबाइल एप्लिकेशन, एआई-पावर्ड असिस्टेंट 6एस्काई, इंडिगो व्हास्टएप

नंबर +91 70651 45858 या चुनिंदा ट्रैवल पार्टनर वेबसाइट और ऐप्स के जरिए टिकट बुकिंग करते समय प्रोमो कोड एसयूएमआर10 का इस्तेमाल करके इस ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं।

इसके अलावा कंपनी इंडिगो यात्रा के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए चुनिंदा 6ई ऐड-ऑन पर आकर्षक डील्स दे रहा है। इस ऑफ़र की अवधि के दौरान यात्री चुनिंदा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सेक्टर्स पर फास्ट पारवर्ड पर 70 फीसदी तक, प्री-पेड अतिरिक्त सामान पर 50 फीसदी और स्टैंडर्ड सीट चुनने पर 15 फीसदी की छूट पा सकते हैं। इसके अलावा चुनिंदा घरेलू सेक्टर्स पर इमरजेंसी एक्सएल (पैरों के लिए ज़्यादा जगह) सीटें 500 रुपये से शुरू होने वाली कीमतों पर बुक की जा सकती हैं।

एयरलाइन ने कहा कि यह ऑफर इंडिगो की सस्ती किराया, ज़्यादा लचीलापन और अपने गर्मियों की यात्रा की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए ज़्यादा सुविधा देने की प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों सेक्टर्स पर उपलब्ध छूट के साथ इस सेल का उद्देश्य इंडिगो के व्यापक नेटवर्क में ग्राहकों को ज़्यादा मूल्य और बुकिंग का एक आसान अनुभव देना है।

ईरान-अमेरिका वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद के बीच कच्चे तेल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरल

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कच्चे तेल के दाम में नरमी देखने को मिल रही है। ईरान और अमेरिका वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद के दौरान मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर लगभग 96 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं।

अंतरराष्ट्रीय बजार में शुरुआती कारोबार में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड का भाव आज 2.29 डॉलर यानी 2.31 फीसदी की गिरावट के साथ 96.79 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, ब्रेंट 1.47 डॉलर यानी 1.48 फीसदी टूटकर 97.483 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले सोमवार

को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नाकाबंदी का ऐलान के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 7 फीसदी से अधिक की तेजी देखने को मिली थी। क्रूड ऑयल का भाव 104 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। जानकारों का कहना है कि जब तक अमेरिका और ईरान के बीच स्थिति सामान्य नहीं हो जाती है तब तक कच्चे तेल की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहेगा।

अंबेडकर जयंती पर बंद रहे शेयर और मुद्रा बाजार, बुधवार को होगा कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर मंगलवार को शेयर बाजार, मुद्रा बाजार, जिंस बाजार और सर्राफा बाजार बंद रहे। हालांकि, एमसीएक्स शाम को खुलेगा, जबकि एनसीडीईएक्स बंद रहेगा। अब घरेलू शेयर बाजार सहित अन्य बाजारों में बुधवार को कारोबार होगा। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई और एनएसई, रुपया विनिमय और सर्राफा बाजार पूरी तरह से बंद रहे। साथ ही इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में कोई कारोबार नहीं हुआ। कमोडिटी बाजार एमसीएक्स में सुबह का सत्र बंद रहा, लेकिन शाम 5 बजे से रात्रि के 11:55 बजे तक कारोबार सामान्य रूप से चालू रहेगा। शेयर

बाजार अब 15 अप्रैल को सामान्य रूप से खुलेगा और कारोबार होगा। शेयर बाजार की अगली छुट्टी 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर होगी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों करीब 1 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ था। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 फीसदी गिरकर 76,847.57 पर बंद हुआ था।

रोजगार बढ़ाने के लिए पोर्टर और गिगिन टेक्नोलॉजीज ने किया समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने डिजिटल प्लेटफॉर्म आधारित रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए प्रमुख टेक कंपनियों पोर्टर और गिगिन के साथ समझौता किया है। इस पहल का उद्देश्य रोजगार के नए अवसरों का विस्तार करना और देश के श्रमिकों को तकनीक से जोड़ना है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और मंत्रालय की सचिव सुश्री वंदना गुरनानी की उपस्थिति में पोर्टर और गिगिन टेक्नोलॉजीज के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल के माध्यम से रोजगार के अवसरों का विस्तार करना और डिजिटल नौकरी मिलान को मजबूत करना है। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश के हर श्रमिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह समझौता रोजगार के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। मांडविया ने बताया कि पोर्टर और गिगिन के साथ यह साझेदारी भारत के रोजगार इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके जरिए तकनीक आधारित रोजगार अवसरों को सरकारी पारदर्शिता और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे श्रमिकों को न केवल काम मिलेगा बल्कि उन्हें सामाजिक सुरक्षा का लाभ भी मिल सकेगा। पोर्टर एक प्रमुख टेक-ड्रिवन लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म है, जो वर्तमान में देश के 22 शहरों में अपनी सेवाएं दे रहा है। यह प्लेटफॉर्म ड्राइवर पार्टनर्स को ग्राहकों से जोड़कर लास्ट-माइल डिलीवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस नई साझेदारी के तहत पोर्टर, नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल पर ड्राइविंग और लॉजिस्टिक्स से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा। कंपनी ने इस पहल के तहत महत्वाकांक्षी लक्ष्य को तय किए हैं।

कार्तिक आर्यन की नई हीरोइन प्रीति मुकुंदन कौन हैं? नागजिला से कर रहीं बॉलीवुड में एंट्री

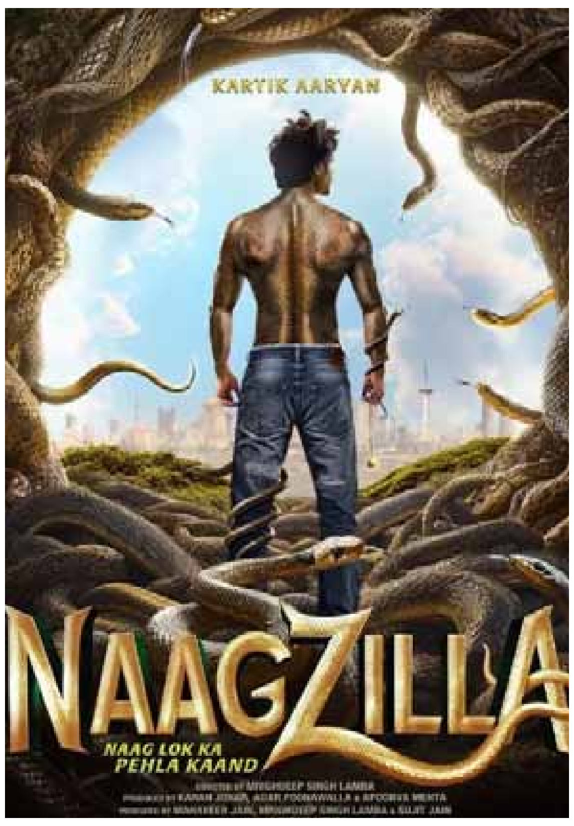

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अगली रोमांचक फिल्म नागजिला को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार चर्चा सिर्फ कार्तिक की नहीं, बल्कि उनके साथ नजर आने वाली अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन की भी हो रही है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद प्रीति अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड सफर शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन हैं प्रीति मुकुंदन, आइए जानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के निर्माता प्रीति के चयन से बेहद खुश हैं। सूत्रों का कहना है कि प्रीति मुकुंदन इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। वो फिल्म में एक बड़े मजेदार और कॉमेडी से भरपूर किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुद प्रीति भी इस किरदार को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें दर्शकों के सामने अपना एक अलग अंदाज पेश करने का मौका मिल रहा है। प्रीति एक अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं, जो अब तक कई तेलुगू, तमिल और मलयालम भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रीति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2024 में तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म ओम भीम बुश से की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म स्टार के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उधर मैंने प्यार किया उनकी पहली मलयालम फिल्म थी। प्रीति को विष्णु मांचू और अक्षय कुमार अभिनीत तेलुगू फिल्म कन्नप्पा में भी देखा गया था।

मृणाल ठाकुर-अदिवी शेष की फिल्म डकैत ने दूसरे दिन किया धमाल

मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई है. फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म को 28.5 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली है. फिल्म 3,734 शोज पर रिलीज हुई है. फिल्म दो भाषा में रिलीज हुई है. दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 1.4 करोड़ और तेलुगू में फिल्म ने 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ की कमाई कर ली है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 13.55 करोड़ हो गया है. बता दें कि फिल्म ने दिन 6.55 करोड़ का कलेक्शन किया है. पहले दिन फिल्म 3800 शोज पर रिलीज हुई. फिल्म को ओवरसीज मार्केट में शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 9 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. फिल्म का दुनियाभर में टोटल ग्रॉस 24.81 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म की बात करें तो इसे शैनील देव ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं. ये एक एक्शन-रोमांटिक ड्रामा है. फिल्म पहले 19 मार्च में रिलीज होने वाली थी. लेकिन धुरंधर 2 के चलते फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया था. अब 10 अप्रैल को फिल्म रिलीज हो गई है. इस फिल्म में मृणाल और अदिवी की लव स्टोरी दिखा गई. डकैत को पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं. सुपरस्टार नानी ने भी फिल्म की तारीफ की. उन्होंने लिखा, सच ब्लॉकबस्टर. डकैत क्या फिल्म है. फिल्म के थिएट्रिकल एक्सपीरियंस को मिस मत कीजिए. अदिवी शानदार हैं और ये इनकी अबतक की बेस्ट है. सभी बहुत शनदार हैं. राइटिंग-स्क्रीनप्ले डिपार्टमेंट सब बेहतरीन. मृणाल ठाकुर आपने इस रोल को कितनी खूबसूरती से किया है.

बादशाह ओ2 एरिना की रोमांचक याद से नहीं आए बाहर

दक्षिण-पूर्वी लंदन के ग्रीनविच स्थित ओ2 एरिना में अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद से बॉलीवुड के मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह उस रोमांचक अनुभव से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। सिंगर/ रैपर बादशाह, ओ2 एरिना में परफॉर्म करने वाले पहले भारतीय सिंगर बनकर इतिहास रच चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इस अविस्मरणीय शो से जुड़ी दूसरी मिनी डॉक्यूमेंट्री जारी की है। इस डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने अपने और अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले फैंस के रिएक्शन्स को कैद किया है, जो इस पल की गंभीरता और खुशी को बयां करते हैं। बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह ओ2 एरिना के मंच पर अपनी शानदार परफॉर्मेंस देते हुए नजर आ रहे हैं। सिंगर का कहना है कि यह भगवान का ही आशीर्वाद है कि उन्हें इस भव्य मंच पर गाने का मौका मिला। दूसरी वीडियो में फैंस के भावुक और उत्साहित रिएक्शन्स को साझा किया गया है, जो सिंगर की परफॉर्मेंस देखने के बाद पूरी तरह से मंत्रमुग्ध हैं। कई फैंस उन्हें अपना आइडल और सोलफुल सिंगर बताकर अपनी भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं। इस डॉक्यूमेंट्री का एक बेहद मार्मिक पल वह है, जब एक बुजुर्ग शख्स अपनी पत्नी का लिखा हुआ एक लेटर पढ़ता है। उनकी पत्नी बादशाह की बहुत बड़ी फैन हैं, लेकिन किसी कारणवश वह इवेंट में

शामिल नहीं हो पाई थीं। लेटर पढ़कर बादशाह भावुक हो जाते हैं, जो उनके फैंस के साथ उनके गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। वीडियो को देखकर यह स्पष्ट है कि बादशाह ओ2 एरिना में परफॉर्म करने के बाद भी खुद को उस पल से अलग नहीं कर पा रहे हैं और हर छोटे पल को दिल से जी रहे हैं। इससे पहले, सिंगर ने ओ2 एरिना मिनी डॉक्यूमेंट्री का पहला पार्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने शो के बैकस्टेज की तैयारियों और मंच के पीछे के माहौल को दिखाया था। बादशाह ने बताया था कि वह 10 साल पहले ओ2 एरिना में आए थे और उन्होंने सबसे पहले कनाडाई रैपर, गायक और अभिनेता ड्रेक को देखा था। उस वक्त उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें भी इस मंच पर परफॉर्म करने का मौका मिलेगा, लेकिन उनकी कड़ी मेहनत और जुनून ने इसे संभव कर दिखाया। जहां एक तरफ सिंगर ओ2 एरिना की यादों में डूबे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ उनका टटीरी गाने को लेकर चल रहा विवाद भी खत्म हो चुका है। सिंगर ने राष्ट्रीय महिला आयोग से माफी मांगते हुए एक नेक पहल की है, जिसके तहत उन्होंने कुछ बच्चियों की शिक्षा का बेड़ा उठाया है। बता दें कि बादशाह ने हाल ही में 22 मार्च को ओ2 एरिना में परफॉर्म किया था। अपनी इस ऐतिहासिक परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर अपने माता-पिता के साथ लंदन पहुंचे थे, और उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक और गर्व साफ दिखाई दे रहा था। सिंगर की मां पहली बार लंदन पहुंची थीं, और उन्होंने ओ2 एरिना को एक बड़ा सा मैदान बताया था। यह पल भी सिंगर के लिए बेहद सुकून और खुशी देने वाला था, क्योंकि उन्हें अपने माता-पिता के सामने अपने सपने को साकार करने का अवसर मिला।

धुरंधर 2 की दहाड़ के आगे डकैत ने भी दिखाया दम

रणवीर सिंह की ब्लक़बस्टर धुरंधर 2 के तूफान के आगे मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष स्टारर मचअवेटेड फिल्म डकैत आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. इस फिल्म ने पहले दिन ठीक ठाक परफॉर्म किया है. हालांकि रिलीज से पहले ज़बरदस्त चर्चा और फैंस की उम्मीदों के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डबल डिजिट में कमाई नहीं कर पाई है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है? अदिवी सेष ने चार साल के ब्रेक के बाद अपनी नई फिल्म डकैतः अ लव स्टोरी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी की है. एक्टर की इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था. डेब्यूटेंट डायरेक्टर शेनिल देव द्वारा निर्देशित 'डकैत एक एक्शन-रोमांटिक थ्रिलर है,

पानी पीना

पर्याप्त पानी पीना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। काम करते समय अक्सर लोग पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। हर घंटे में एक गिलास पानी पीने की आदत डालें, ताकि आपका शरीर तरोताजा रहे और थकान कम हो। इससे आपकी ऊर्जा स्तर बढ़ता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं। पानी पीने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मन भी शांत रहता है।

रोजाना 5 मिनट का ब्रेथर ब्रेक आपको दिनभर रखेगा ऊर्जावान, इसके बारे में जानिए

आजकल की तेज-तर्रार जिंदगी में खुद पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो गया है। काम के बीच-बीच में ब्रेक लेना हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। यह हमें ताजगी और ऊर्जा देता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे हम अपने रोजमर्रा के जीवन में 5 मिनट के ब्रेथर ब्रेक को शामिल करके खुद को बेहतर बना सकते हैं। यह एक सरल, लेकिन प्रभावी तरीका है खुद को ताजगी देने का।

गहरी सांस लेना : गहरी सांस लेना खुद को ताजगी देने का एक सरल और असरदार तरीका है। जब भी आप काम कर रहे हों और थकान महसूस करें, थोड़ी देर के लिए अपने काम से ब्रेक लें और गहरी सांस लें। इससे आपके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। गहरी सांस लेने से आपका मन शांत होता

है और आप फिर से तरोताजा महसूस करते हैं। इसे दिन में कई बार दोहराना फायदेमंद हो सकता है।

स्ट्रेचिंग करना : काम करते समय शरीर में अकड़न होना आम बात है, लेकिन इसे दूर करने के लिए कुछ मिनट स्ट्रेचिंग करना बहुत फायदेमंद हो सकता है। अपने हाथ-पैरों को खींचें, गर्दन को घुमाएं और कमर को मोड़ें। इससे खून का बहाव बेहतर होता है और मांसपेशियों की थकान कम होती है। स्ट्रेचिंग करने से आपका शरीर लचीला बनता है और आप फिर से ऊर्जा से भरपूर महसूस करते हैं। इसे रोजाना अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान है।

हल्का चलना : हल्का चलना भी खुद को ताजगी देने का एक अच्छा तरीका है। ऑफिस में थोड़ी देर टहलना या सीढ़ियां चढ़ना आपके शरीर को सक्रिय रखता है और ऊर्जा बढ़ाता है। इससे आपका मन भी तरोताजा होता है और आप फिर से काम पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। हल्का चलना न केवल शारीरिक बल्कि, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना आसान है और इसके कई लाभ हैं।

ध्यान लगाना : ध्यान लगाना हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। काम के बीच में कुछ मिनट ध्यान लगाने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। इसे रोजाना करने से हमारी एकाग्रता क्षमता बढ़ती है और हम अधिक ध्यान से काम कर पाते हैं। ध्यान लगाने के लिए किसी भी शांत जगह बैठकर आंखें बंद करें, गहरी सांस लें और अपने मन को शांत करें। इसे नियमित रूप से करने पर इसका सकारात्मक प्रभाव महसूस होगा।

मृणाल ठाकुर-अदिवी शेष की फिल्म डकैत ने दूसरे दिन किया धमाल

मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष की फिल्म डकैत 10 अप्रैल को रिलीज हुई है. फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म को 28.5 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली है. फिल्म 3,734 शोज पर रिलीज हुई है. फिल्म दो भाषा में रिलीज हुई है. दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 1.4 करोड़ और तेलुगू में फिल्म ने 5.6 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 7 करोड़ की कमाई कर ली है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 13.55 करोड़ हो गया है. बता दें कि फिल्म ने दिन 6.55 करोड़ का कलेक्शन किया है. पहले दिन फिल्म 3800 शोज पर रिलीज हुई. फिल्म को ओवरसीज मार्केट में शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 9 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. फिल्म का दुनियाभर में टोटल ग्रॉस 24.81 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म की बात करें तो इसे शैनील देव ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं. ये एक एक्शन-रोमांटिक

ड्रामा है. फिल्म पहले 19 मार्च में रिलीज होने वाली थी. लेकिन धुरंधर 2 के चलते फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया था. अब 10 अप्रैल को फिल्म रिलीज हो गई है. इस फिल्म में मृणाल और अदिवी की लव स्टोरी दिखा गई.

डकैत को पॉजिटिव रिव्यूज मिल रहे हैं. सुपरस्टार नानी ने भी फिल्म की तारीफ की. उन्होंने लिखा, सच ब्लॉकबस्टर. डकैत क्या फिल्म है. फिल्म के थिएट्रिकल एक्सपीरियंस को मिस मत कीजिए. अदिवी शानदार हैं और ये इनकी अबतक की बेस्ट है. सभी बहुत शनदार हैं. राइटिंग-स्क्रीनप्ले डिपार्टमेंट सब बेहतरीन. मृणाल ठाकुर आपने इस रोल को कितनी खूबसूरती से किया है. उनके रिव्यू पर अदिवी ने रिएक्ट भी किया. उन्होंने लिखा- थैंक्यू बड़े भई. डकैत टीम बहुत एक्साइटेड हैं आपके रिव्यू को पढ़कर. ये मेरे लिए एक्स्ट्रा स्पेशल है.

क्या स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें हो जाती हैं खराब? जानिए सही जानकारी

आंखों की देखभाल से जुड़े कई भ्रमों और बातों पर अक्सर चर्चा होती रहती है। इनमें से एक सामान्य बात यह है कि स्क्रीन के बहुत करीब बैठने से आंखें खराब हो जाती हैं। काफी लोग असमंजस में रहते हैं कि यह बात सच है या झूठ। इस लेख में हम इसी बात की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि क्या वास्तव में स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों पर असर पड़ता है या नहीं।

स्क्रीन के करीब बैठने का आखों पर असरः जब हम बहुत करीब बैठकर किसी स्क्रीन आदि को देखते हैं तो हमारी आंखों की मांसपेशियों पर ज्यादा जोर पड़ता है। यह जोर आंखों को थका सकता है और इसकी वजह से काफी परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसा करने से आपकी आखें वास्तव में काफी कमजोर हो सकती हैं। अगर आपको लगातार ऐसा महसूस हो रहा है कि आपकी नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिख रहा है तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

क्या इससे कमजोर होती है आंखों की रोशनी ? : कई लोगों का मानना है कि स्क्रीन के करीब बैठने से आंखों की रोशनी कम हो जाती है। यह बात पूरी तरह से सच है, क्योंकि वक्त के साथ स्क्रीन टाइम का आखों की रोशनी पर खासा असर नजर आता है। अगर आप लंबे समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं तो आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है, ताकि नजर सही रहे।

क्या बच्चों को स्क्रीन के करीब बैठकर पढ़ाई करनी चाहिए ? : बच्चों को करीब बैठकर पढ़ाई करने से बचाना चाहिए, क्योंकि उनकी आंखें पूरी तरह से विकसित नहीं होतीं। इसके अलावा बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि उनकी नजर सुरक्षित रहे। अगर बच्चे लगातार किताब के बहुत पास जा कर पढ़ाई करेंगे तो उनकी नजर कमजोर हो सकती है। इसलिए बच्चों को सही तरीके से बैठने और पढ़ाई करने की आदत डालनी चाहिए।

कैसे कम किया जा सकता है प्रभाव ? : आजकल लोग बहुत ज्यादा समय तक स्क्रीन पर काम करते हैं, चाहे वह कंप्यूटर हो या मोबाइल फोन। इससे आंखों में थकान या जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से आराम करना और आंखों को आराम देना जरूरी है। इसके अलावा स्क्रीन की चमक को कम करना और सही रोशनी में काम करना भी अहम है, ताकि आपकी नजर सुरक्षित रहे और कोई समस्या न हो।

नजर की जांच करवाना क्यों है जरूरी ? : नजर जांच करवाना बहुत जरूरी है, ताकि किसी भी समस्या का समय पर पता चल सके। अगर आपको लगता है कि आपकी नजर कमजोर हो रही है या आपको धुंधला दिखता है तो डॉक्टर से संपर्क करें। इससे आप सही समय पर इलाज करा सकते हैं और अपनी नजर को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा नजर जांच करवाने से आप अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रख सकते हैं और किसी भी समस्या से बच सकते हैं।

Parliament on verge of history, says PM Modi, as it readies to take up women's bills

New delhi, Agency : Parliament is on the verge of making history, PM Narendra Modi said on Monday ahead of the Lok Sabha and Rajya Sabha taking up his govt's bills to implement women's reservation in legislatures from 2029, as he expressed confidence amid demurring voices from Congress and its allies that the opposition will back the measures to ensure a unanimous support.

While several opposition parties have slammed the govt for "rushing" through the bills in the middle of state elections and questioned the delimitation proposal, Modi refrained from joining the issue at an event and instead spoke of the cross-party support the proposal has long enjoyed.

Credit for passage of women's quota bill will belong to every political party: PM Modi

PM Narendra Modi spoke of the cross-party support the proposal on women's quota has long enjoyed, including in 2023 when the original law was enacted, and asserted that the credit for its passage will belong to every political party.

Addressing an audience of women achievers from different sectors at Nari Shakti Vandan programme, also attended by former Lok Sabha Speaker Meira Kumar of Congress, the PM said India is going to take one of the most important decisions of 21st century and the decades-old wait for reservation for women in one-third of seats in Lok Sabha and assemblies will end during Parliament's three-day sitting from Apr 16. "Our country's Parliament is on the brink of creating history," he said, while emphasising his commitment to women's empowerment since his days as Gujarat CM by launching numerous schemes targeting different sectors for their welfare. He evoked all-round smiles and clapping as he noted how his measures to financially empower women, including by getting houses built with govt assistance registered in their name, has given them a say in their family's decision-making. Modi said when the law was enacted in 2023, everybody wanted its quick implementation, with opposition MPs especially vocal about its enforcement from 2029.

15 Indian vessels stuck in Hormuz working on safe return, says govt

New delhi, Agency : The Centre on Monday said at least 15 Indian-flagged vessels were stranded in the Strait of Hormuz and efforts were underway to bring them back.

Addressing an inter-ministerial briefing on recent developments in West Asia here, Mukesh Mangal, Additional Secretary in the Ministry of Ports, Shipping and Waterways, said, "We are coordinating with the Ministry of External Affairs and putting in our efforts to bring back our vessels. Arrangements are being made so that as soon as conditions are suitable, the ships can sail back to Indian ports."

He said the Indian-flagged LPG vessel "Jag Vikram" crossed the Strait of Hormuz on April 11. It was carrying around 20,400 metric tonnes of LPG and had 24 seafarers on board. It was expected to reach Kandla on April 14.

The official said the ministry was actively monitoring the evolving situation in the Persian Gulf, adding that "at present, all Indian seafarers in the region are safe. No incident involving Indian-flagged vessels has been reported in the past 24 hours." He said the Directorate General of Shipping had facilitated the safe repatriation of over 2,177 Indian seafarers so far, including 93 in the past 24 hours from various locations across the Gulf region. Meanwhile, India has also taken a significant step towards strengthening its electric mobility ecosystem. In a move aimed at accelerating the adoption of electric vehicles (EVs) and supporting domestic manufacturing, the government has announced extensions and relaxations under key policy frameworks, responding to both market needs and global supply chain disruptions.

Digital push for primary care: Centre rolls out CHO app, sharpens emergency response

New delhi, Agency : In a move aimed at strengthening last-mile healthcare and improving response during medical emergencies, the Centre on Monday launched a mobile application for Community Health Officers (CHOs), enabling real-time patient management and faster referrals at Ayushman Bharat Health and Wellness Centres.

The app, introduced by the Union health ministry, is designed to digitise clinical workflows at the primary care level. It will allow CHOs to register patients, access medical histories and update treatment records in real time, replacing largely manual processes that often slow down care delivery.

Officials said the platform will also aid early identification of high-risk cases and emergencies, enabling frontline providers to initiate quicker referrals to higher facilities. This is expected to be critical in situations such as cardiac events, stroke, maternal complications and severe infections, where timely intervention can significantly improve outcomes.

Public health experts noted that delays in documentation and communication at the primary care level can impact both routine care and emergency response. With instant access to patient data and standardised digital records, the app could help CHOs track chronic patients more effectively, ensure continuity of care and flag complications early.

The rollout is part of the government's broader digital health push under the Ayushman's Bharat Digital Mission which aims to build an integrated health data ecosystem across the country. By digitally linking primary care providers with higher centres, the initiative is expected to streamline referrals and improve coordination across different levels of care.

Officials added that the application will also strengthen supervisory oversight, allowing administrators to monitor service delivery patterns, identify gaps and assess response timelines, including in emergency situations. India currently has over 1.6 lakh Ayushman Bharat Health and Wellness Centres serving as the first point of contact for a large section of the population, particularly in rural and underserved areas.

Telangana doctor found using flip number plates

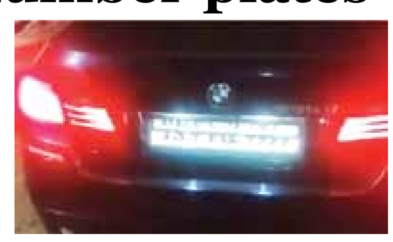

New Delhi, Agency: A 30-year-old doctor, who was caught here for allegedly driving his high-end BMW car in an "inebriated" state, was found using two different registration numbers through a flip number plate system installed on the vehicle, the police said on Monday.

The matter came to light on April 10 after the man was found driving "drunk" during a check in Jubilee Hills and the car, which was seized, was driven to a police station when a constable inadvertently pressed a button near the driver's seat.

After the button was pressed, the police noticed the number plate on the car flip, displaying two different registration numbers-- one registered with Delhi and the other with Telangana.

The doctor had purchased the high-end car in Delhi, but had not changed its registration, an official at Jubilee Hills Police Station said. The police added that the accused doctor bought the flip number plate system that could change the car's number plates online and had installed it on his car around two years ago through a technician in the city.

During further investigation, it was revealed that a similar car model and make was registered with the Telangana registration number, which belonged to a relative of the doctor. He was allegedly using both the Delhi and Telangana registration numbers through the flip number plate system on his vehicle, the police said.

'Sexual harassment' at TCS anguishing: Tata Group chief

New Delhi, Agency: N Chandrasekaran, chairman of the Tata Group, on Monday called the allegations of sexual harassment at TCS, Nashik, "gravely concerning and anguishing". "The complaints and allegations emerging from the Nashik branch of Tata Consultancy Services have been gravely concerning and anguishing," he said. He announced that TCS chief operating officer Arathi Subramanian was conducting an in-depth probe to find out the facts and identify those accountable for the incident. Eight women employees of TCS, Nashik, had accused seniors of forced religious conversion and sexual harassment. "This incident is being treated with utmost seriousness. Action has already been initiated against the accused employees and the company is extending its full cooperation to the ongoing investigations," said Chandrasekaran.

Last week, a special investigation team probed the complaints filed by eight employees, who claimed that senior colleagues mentally and sexually harassed them and the human resources department turned a deaf ear to their complaints. The police have arrested seven people, including the woman HR manager.

In 1st major outreach, Balen accepts PM Modi's invite to visit India

New delhi, Agency : Nepal PM Balendra "Balen" Shah accepted Prime Minister Narendra Modi's invitation to visit India even as he initiated a sweeping and radical 100-point governance agenda at home targeting VIP culture, political influence in campuses and bureaucracy, delays in public service, free healthcare access for the poor, safer public transport for women and stress-free schooling for younger children.

Foreign minister Shishir Khanal said, "The Nepal govt has accepted the invitation, and the foreign ministries of both countries are now making preparations for the visit." He indicated that the trip to New Delhi will be Shah's first major diplomatic outreach since taking office. The last official visit by a Nepali PM to India was made by Pushpa Kamal Dahal "Prachanda" in June 2023.

Meanwhile, introducing a raft of changes, the new govt in Kathmandu has proposed cutting the number of federal ministries, banning political affiliations for sections of the state machinery and replacing party-linked student bodies with non-partisan platforms.

The reform plan takes direct aim at political influence in education and the civil service. Under the new mandate, party-affiliated student organisations in schools and universities are to be dismantled within 90 days and replaced with non-partisan student councils or "Voice of students" platforms. Announcing the move, Shah said, "Schools and colleges will no longer serve as arenas for political activity but will function solely as centres of learning."

Packet food, daily damage: global heart body flags diet risk as India's crisis grows

New delhi, Agency : That evening snack, that quick packet meal, that sugary drink you don't think twice about - doctors say they are quietly building your next health crisis.

The American Heart Association (AHA) has issued a stark warning that everyday eating habits, especially the growing reliance on ultra-processed foods, are fuelling heart disease, diabetes and early death.

The warning, published as a 2026 scientific statement, comes at a time when India's disease burden is already rising. Cardiovascular diseases account for nearly 28% of all deaths, while more than 100 million people are living with diabetes, with millions more at risk. "One in five deaths in India is directly attributed to poor diet," said Dr Ambuj Roy, professor of cardiology at AIIMS, Delhi.In its latest guidance, the AHA shifts the conversation away from diet trends and quick fixes to what people actually eat every day. It calls for meals built around vegetables, fruits and whole grains, along with healthier protein sources such as dals, beans, nuts and fish. It also recommends replacing butter and animal fats with plant-based oils and choosing foods that are minimally processed.

Dr Roy said such principles can be adapted locally. He pointed to the Mediterranean diet as a proven model for reducing heart risk, adding that similar anti-inflammatory Indian diets can be built using locally available ingredients such as mustard oil, peanut oil, seasonal fruits, vegetables, millets, legumes, nuts and traditional spices. "Minimising ready-to-eat packaged food, biscuits and savouries can reduce heart disease risk by up to 30%," he said.

At the same time, the AHA calls for limiting ultra-processed foods, added sugars, excess salt and saturated fats. Packaged snacks, sugary drinks, refined flour items and processed meats are major contributors to rising obesity, diabetes and cardiovascular disease.

In Hungary, Ambedkar inspires oppressed Roma

New delhi, Agency : Ambedkar is a gypsy icon in Hungary," says Tibor Derdak over the phone from Miskolc, a city two hours from Budapest.

It was here 20 years ago that Derdak co-founded a school named after B R Ambedkar, who never visited Hungary. Today, an Ambedkar statue stands near the building of Dr Ambedkar School. "Ambedkar's life story is a fairytale for the Roma community," says Derdak, referring to the long-oppressed ethnic group the school serves.

The story of a man denied school admission who goes abroad, becomes a barrister, fights caste oppression and helps shape his nation's constitutional framework has taken root in this unlikely landscape.

It began in 2005, when Derdak, a sociologist and former Hungarian MP, and Janos Orsos, a Roma activist, travelled to Dhamma retreats in Maharashtra with the Triratna Buddhist Organisation. What they encountered changed everything. "Similar complexion, similar stories of being othered," Derdak recalls. "Yet, we saw people from oppressed communities reach important positions in society. We thought we can."

The connection is not only ideological. The Roma emigrated from north India nearly 1,000 years ago. In Maharashtra, the shock of recognition was visceral and inspiration practical. Derdak returned and began translating Ambedkar's texts into Hungarian, including stories like Prakriti's from Chandalika and the entire Pune Pact.

West Asia Conflict: India faces 2.5 million poverty risk, UN warns

New delhi, Agency : The conflict and military escalation in West Asia threatens to push 2.5 million people in India into poverty and the country is projected to experience some loss in its human development progress, according to estimates and projections by the United Nations.

The United Nations Development Programme, in a report titled 'Military Escalation In The Middle East: Human Development Impacts Across Asia And The Pacific' noted that the conflict is "widening human development pressures across Asia and the Pacific.

Through higher fuel, freight, and input costs, the shock is diminishing household purchasing power, raising food insecurity, straining public budgets, and weakening livelihoods." The preliminary assessment, issued Tuesday, estimates that globally 8.8 million people are at risk of falling into poverty and the West Asia military escalation could cost Asia-Pacific up to USD 299 billion. In India, poverty is expected to rise from around 400,000 to 2.5 million, the report said. It added that the number of people pushed into poverty in the world as a result of the conflict rises from approximately 1.9 million to nearly 8.8 million across scenarios, with South Asia accounting for the largest share, ranging from about 1.7 million to over 8 million, reflecting both the subregion's population size and its higher exposure to income and price shocks.

China is estimated to experience a more moderate increase in the number of people at risk of falling into poverty, from around 115,000 to over 620,000, reflecting small proportional changes applied to a very large population base.

Highlighting the estimated poverty impact of the military escalation (28-day conflict, most severe scenario with 8-month adjustment), the report said that India's poverty rate is estimated to rise to 24.2 per cent post-crisis from 23.9 per cent, pushing 2,464,698 people into poverty. An estimated 354,033,698 people are projected to live in poverty in the country post-crisis as compared to 351,569,000 pre-crisis. The UNDP simulation estimates the impact of the conflict on the Human Development Index (HDI) for countries across the region. It indicates that Iran's HDI could decline by an amount equivalent to roughly one to one and a half years of human development progress.

"India is projected to experience a loss of approximately 0.03% 0.12 years of HDI progress, followed by Nepal at around 0.02% 0.09 years and Viet Nam at 0.02% 0.07 years, while for China, the estimated effects on HDI remain limited in magnitude, ranging roughly 0.01â "0.05 years," it said.

The report notes that among the region's larger importers, India meets over 90 per cent of its oil needs through imports, sourcing more than 40 per cent of crude imports and 90 per cent of LPG imports from West Asia. Further, West Asian countries supply over 45 per cent of India's fertiliser imports, while 85 per cent of the country's domestic urea production depends on imported regasified liquefied natural gas.